● जयपुर, शनिवार, 16 दिसंबर 23● वर्ष 01 ● अंक 120● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपये
www.chamaktarajasthan.com | Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

RNI. No. RAJHIND/2011/40950

सुविचार
''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''
● स्वामी विवेकानंद

दैनिक
राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त
सच के साथ मजबूती से बढ़ाये कदम

चमकता राजस्थान

विज्ञापन के लिए : 93145 05000
जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित
अजमेर, सीकर, झुंझनु, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूंदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

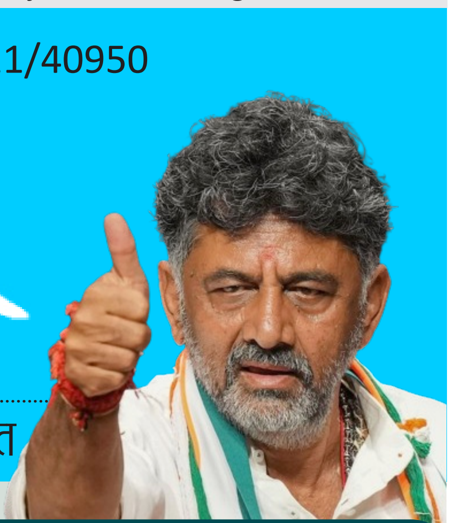

पेज @3 डकैती की साजिश रचते हिस्ट्रीशीटर सहित आठ बदमाश गिरफ्तार..
पेज @4 वेदांता पिंक सिटी हाफ मैराथन के दो दिवसीय बिब एक्सपो का...
पेज @8 सभी विभाग विकसित भारत संकल्प यात्रा में सक्रियता से भागीदारी ...

राजस्थान में भजन 'राज' का हुआ भव्य आगाज

भजनलाल शर्मा ने ली प्रदेश के 14 वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ

दिया कुमारी और प्रेमचंद बैरवा ने ली उपमुख्यमंत्री पद की शपथ

- **पीएम मोदी की यशस्वी मौजूदगी में अल्बर्ट हॉल मैदान बना मुख्यमंत्री शपथ ग्रहण समारोह का बना साक्षी**
- **शपथग्रहण कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं का उमड़ा जनसमूह**

चमकता राज़स्थान

जयपुर। भजनलाल शर्मा ने राजस्थान के 14वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले ली है। उनके साथ दो डिप्टी सीएम दिया कुमारी और डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने भी शपथ ली है। तीनों को राज्यपाल कलराज मित्र ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री का अभिवादन किया तो मोदी ने उनकी पीठ थपथपाई। वहीं,पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, वसुधरा राजे और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत देर तक हंसी-मजाक करते रहे। शपथ के बाद भजनलाल ने कहा कि मैं भावुक और नतमस्तक हूं। सबका साथ, सबका विकास, सनका विश्वास का संकल्प सर्वोपरि है। राजस्थान को सर्वश्रेष्ठ, समृद्ध, और आत्मनिर्भर बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। .

● इसके बाद उन्होंने सचिवालय पहुंचकर पूजा पाठ के साथ मुख्यमंत्री का कार्यभर संभाला

कार्यभार ग्रहण करवाने के लिए उनके साथ प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, पूर्व सीएम वसुंधरा राजे समेत कई केंद्रीय मंत्री सचिवालय पहुंचे थे। पदभार ग्रहण करने के बाद भजनलाल ने वसुंधरा राजे को मिठाई खिलाई, बहीं वसुंधरा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिया।बैरवा और दीया कुमारी ने भी चार्ज संभल लिया है इस दौरान डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने पूर्व सीएम वसुधरा राजे के पैर छूकर आशीवाद लिया।

● साथ बैठे नजर आए गहलोत, गजेंद्र और राजे सभी की निगाहें इन्हीं पर टिकी रही

शपथ ग्रहण समारोह के दौरान कई रोचक दृश्य देखने को मिले। एक मंच पर पीएम मोदी, राज्यपाल और सीएम व डिप्टी सीएम मोजूद थे तो दूसरे मंच पर पूर्व सीएम अशोक गहलोत, वसुंधरा राजे और केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत एक साथ बैठे नजर आए गहलोत ने गजेन्द्र सिंह शेखावत से हाथ मिलाकर खूब हांसी मजाक किया हालांकि राजनीतिक रूप से तीनों ही नेता एक-दूसरे के घोर विरोधी माने जाते हैं, लेकिन शुक्रवार को तीनों एक साथ बैठकर आपस में चर्चा करते दिखे। सपथ समारोह में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत शपथ ग्रहण शुरू होने के करीब आधे घंटे पहले ही अल्बर्ट ट हॉल पहुंच गए थे। वे केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और वसुंधरा राजे के साथ बैठे थे। दो दिन पहले ही गजेंद्र सिंह की याचिका पर गहलोत के खिलाफ मानहानि का केस चलने का फैसला हुआ है।

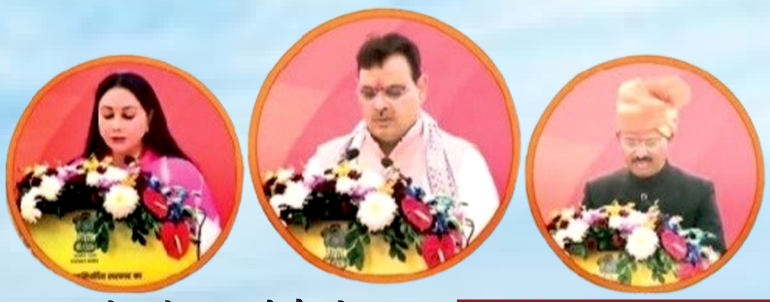

● शपथ से पहले मां-बाप के पैर धोए

शुक्रवार को भजनलाल शर्मा का जन्मदिन भी था। उनके परिवार ने अपने अस्थायी ठिकाने चबल पावर हाउस के गेस्ट हाउस में बर्थ डे सेलिबेट भी किया। पहले उन्होंने गेविंद देवजी मंदिर में दर्शन किए, इसके बाद उन्होंने अपने माता-पिता के चरण धोकर उनका आशीर्वाद भी लिया। वहीं, मनोनीत डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा ने शपथ लेने से पहले मोती डूंगरी गणेश मंदिर में पर्छन किए और डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने भी गोविंद देवजी मंदिर में दर्शन किए। भजनलाल पहले सीएम है. जिन्होंने अपने जन्मदिन पर शपथ ली है।

● शपथ समारोह में ये हुए शामिल

केंद्रीय मंत्रीः अमित शाह, नितिन गडकरी, स्मृति ईरानी, पीयूष गोयल, धर्मेंद प्रधान, प्रहलाद जेठी, अधिनै वैष्णव, गजेन्द्र सिंह शेखावत, भूपेन्द्र यादव, हरदीप सिंह पुरी, अनुराग ठाकुर, अर्जुनराम मेघवाल, नित्यानंद राय, एसपी सिंह बघेल, मनसुख्ख मांडविया। मुख्यमंत्री : गुजरात के भूपेन्द्रभाई पटेल, मध्यप्रदेश के मोहन यादव, छत्तीसगढ़ के विष्णुदेव साय, महाराष्ट्र के एकनाथ शिंदे, अरुणाचल प्रदेश के पेमा खांडू, उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी, असम के हिमंता बिस्वा सरमा, गोवा के प्रमोद सांथल, त्रिपुरा के माणिक साहा और मणिपुर के एन बीरेन सिंह। डिप्टी सीएमः उत्तर प्रदेश के केशव प्रसाद मौर्या, अरुणाचल प्रदेश के चौना मीन और नगालैंड के यानथुगो।

● 'सीएम भजनलाल का ऐलान- एंटी गैंगस्टर्स टास्क फोर्स करेंगे गठित'

सीएम भजनलाल शर्मा ने कामकाज संभालने के कुछ ही घंटों के भीतर पेपर लीक की जांच के लिए एसआईटी का गठन करने का फैसल किया है। सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा- युवाओं के भविष्य को अंधकार में डालने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। भविष्य में पेपर लीक नहीं हो, यह सुनिश्चित किया जाएगा।
'प्रधानमंत्री नरेंद मोदी ने भजनलाल को मुख्यमंत्री बनने व जन्मदिन की बधाई दी'.

● पेपर लीक करने वालों को सजा दिलाई जाएगी

आज ही हमने पेपर लीक की जांच के लिए एसआईटी बनाने का फैसला किया है। शर्मा ने कहा- प्रदेश में संगठित अपराध को खत्म करने के लिए एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स का गठन होगा। किसी भी तरह के अपराध को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हम भ्रष्टाचार को बिल्कुल बर्दास्त नहीं करेंगे।

● तीन आईएएस अफसरों की नियुक्ति के आदेश जारी हो गए हैं

टी रविकांत को मुख्यमंत्री का प्रमुख सचिव, आनंद को सचिव और सौम्या झा को संयुक्त सचिव बनाया गया है। तीन की नियुक्तियां अस्थायी तौर पर की हैं, तीनों अपने मौजूदा पदों पर भकाम करते रहेंगे।

फास्ट टेक

श्रीराम अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर 30 दिसंबर को उतरेगा पहला विमान

अयोध्या/एजेंसी। भगवान श्रीराम की नगरी में भव्य मंदिर निर्माण के साथ-साथ तमाम विकास कार्यों को तेज गति से पूरा किया जा रहा है। यहां आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की समस्या ना हो इसे ध्यान में रखते हुए मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के निर्माण का कार्य भी तेज गति से पूरा किया जा रहा है।
जनवरी माह में भव्य श्रीराम मंदिर में होने वाली प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम से पहले अयोध्या जनपद में हवाई यातायात सेवाएं प्रारंभ हो जाएंगी। एयरपोर्ट पर 30 दिसंबर को उद्घाटन के लिए पहला विमान पहुंच जाएगा। सीएम योगी व उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और वीके सिंह ने अभी कुछ दिन पहले ही एयरपोर्ट का निरीक्षण किया था।

कर्नाटक के चित्रदुर्ग वैमानिकी परीक्षण रेंज में हुआ अभ्यास

सफल रही ऑटोनॉमस फ्लाइंग विंग टेक्नोलॉजी डिमॉन्स्ट्रेटर की दूसरी उड़ान

नयी दिल्ली। एजेंसी

ऑटोनॉमस फ्लाइंग विंग टेक्नोलॉजी डिमॉन्स्ट्रेटर की दूसरी उड़ान पूरी तरह सफल रही है। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने यह अभ्यास शुक्रवार को कर्नाटक के चित्रदुर्ग स्थित वैमानिकी परीक्षण रेंज में किया। मानव रहित लड़ाकू विमान विकसित करने की दिशा में यह बड़ी सफलता मानी जा रही है। इस हवाई वाहन को बेंगलुरु स्थित डीआरडीओ की प्रमुख अनुसंधान प्रयोगशाला वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान ने डिजाइन और विकसित किया है।

- **डीआरडीओ ने कर्नाटक के चित्रदुर्ग स्थित वैमानिकी परीक्षण रेंज में किया परीक्षण**
- **मानव रहित लड़ाकू विमान विकसित करने की दिशा में भारत की बड़ी उपलब्धि**

यूएवी ने सफल उड़ान का प्रदर्शन किया

दूसरे उड़ान परीक्षण में यूएवी ने सफल उड़ान का प्रदर्शन किया, जिसमें टेक-ऑफ, वे पॉइंट नेविगेशन और एक आसान टचडाउन शामिल है। यूएवी के एयरफ्रेम, अंडरकैरिज और विमान के लिए उपयोग किए जाने वाले संपूर्ण उड़ान नियंत्रण और एवियोनिक्स सिस्टम स्वदेशी रूप से विकसित किए गए हैं। यह यूएवी एक छोटे, टर्बोफैन इंजन से संचालित है। यह उड़ान भविष्य के मानव रहित विमानों के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों को साबित करने के मामले में एक प्रमुख मील का पत्थर है। साथ ही ऐसी सामरिक रक्षा प्रौद्योगिकियों में भारत की आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

भारत विशिष्ट क्लब में शामिल

टेललेस कॉन्फ़िगिरेशन में इस उड़ान के साथ भारत उन देशों के विशिष्ट क्लब में शामिल हो गया है, जिन्होंने फ्लाइंग विंग कॉन्फ़िगिरेशन के नियंत्रण में महारत हासिल की है। इस यूएवी को डीआरडीओ के वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान (एडीई) ने डिजाइन और विकसित किया है। इस विमान की पहली उड़ान जुलाई, 2022 में होने के बाद दो इन-हाउस निर्मित प्रोटोटाइप का उपयोग करके विभिन्न विकासात्मक विन्यासों में छह उड़ान परीक्षण किए गए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चित्रदुर्ग एटीआर से ऑटोनॉमस फ्लाइंग विंग टेक्नोलॉजी डिमॉन्स्ट्रेटर की सफल उड़ान पर डीआरडीओ को बधाई दी है।

नहीं रहे दिग्गज कांग्रेस नेता केपी विश्वनाथन

तिरुवनंतपुरम/एजेंसी। वयोवृद्ध कांग्रेस नेता केपी विश्वनाथन का शुक्रवार सुबह एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वह 83 वर्ष के थे और लंबे समय से बीमार चल रहे थे। विश्वनाथन केरल के त्रिशूर में कांग्रेस के सबसे बड़े नेताओं में से एक थे, लेकिन पिछले कुछ समय से उन्होंने खुद को सक्रिय राजनीति से दूर रखा हुआ था। छह बार के विधायक, विश्वनाथन, के. करुणाकरण (1991-94) की कैबिनेट और 2004-2005 की ओमन चांडी कैबिनेट में भी मंत्री थे,

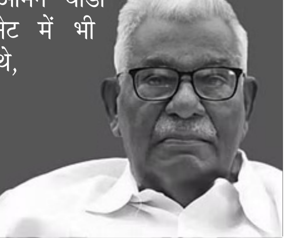

सांसदों का असंसदीय आचरण और राजनीतिक शुचिता

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सांसद महुआ मोइत्रा पैसे के बदले प्रश्न पूछने के मामले में अनैतिक और अशोभनीय आचरण के कारण सत्रहवीं लोकसभा की सदस्यता खो बैठी हैं। उनके निष्कासन की सिफारिश संसद की आचार समिति ने जांच के बाद की। कुछ समय से इस बात पर बहस हो रही थी कि मोइत्रा पर लगे आरोपों में कितनी सच्चाई है? दरअसल धन लेकर सवाल पूछने के आरोप भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने मोइत्रा पर लगाते हुए संसद में कहा था कि उन्होंने भारतीय उद्योगपति गौतम अडानी और उनकी कंपनियों को कठघरे में खड़ा करने के नजरिए से संसद में निरंतर 40 से ज्यादा प्रश्न पूछे। इसके बदले मोइत्रा ने घूस और कीमती उपहार लिए। यही नहीं उन्होंने लोकसभा पोर्टल की लॉग इन आईडी और पासवर्ड भी दुबई में रहने वाले भारतीय कारोबारी दर्शन हीरानंदानी से साझा किए। इस तथ्य को मोइत्रा ने भी स्वीकारा।

सांसदों के असंसदीय आचरण संसद और संविधान की संप्रभुता को कैसे खिलवाड़ कर रहे हैं? इनके कारनामे पहले भी देखने में आते रहे हैं। नोट के बदले वोट देने से लेकर संसद में पैसे लेकर सवाल पूछने के स्टिंग ऑपरेशन भी हुए हैं। 1991 के आम चुनाव में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरकर आई थी। कई क्षेत्रीय दलों के समर्थन से कांग्रेस ने पीवी नरसिंह राव के नेतृत्व में सरकार बनाई थी। जुलाई 1993 में इस जोड़तोड़ की सरकार के विरुद्ध मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने सदन में अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। यह प्रस्ताव आखिर में 14 मतों के अंतर से खारिज हो गया। इसके बाद 1996 में सीबीआई को एक शिकायत मिली, जिसमें आरोप लगाया गया कि राव की सरकार को जीवनदान देने के बदले में झारखंड मुक्ति मोर्चा के कुछ सांसदों और जनता दल के अजीत सिंह गुट को रिश्वत दी गई थी। इस मामले में झामुमो प्रमुख शिबु सोरेन और उनकी पार्टी के चार सांसदों पर नोट लेकर वोट देने का आरोप लगा था। इन सांसदों के बैंक खातों में मिली धनराशि से भी यह पुष्टि हुई कि नोट के बदले वोट देने की कालावधि में ही यह राशि जमा हुई थी। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की सरकार की नैतिक शुचिता पर आंच 22 जुलाई 2008 को तब आई थी, जब उसने लोकसभा में विश्वास मत हासिल किया।

यह स्थिति अमेरिका के साथ गैर-सैन्य परमाणु सहयोग समझौते के विरोध में वामपंथी दलों द्वारा मनमोहन सिंह सरकार से समर्थन वापसी के कारण निर्मित हुई थी। वामदलों के अलग हो जाने के बावजूद सरकार का वजूद कायम रहा, क्योंकि उसने बड़े पैमाने पर नोट के बदले सांसदों के वोट खरीदे। इस मामले में संजीव सक्सेना और सुहैल हिन्दुस्तानी को हिरासत में लिया गया। इनकी गिरफ्तारी के बाद आए बयानों से जाहिर हुआ कि सरकार बचाने के लिए वोटों को खरीदने का इशारा शीर्ष नेतृत्व की ओर से हुआ था। सुहैल ने समाजवादी पार्टी के मौजूदा राज्यसभा के सदस्य अमर सिंह के साथ सोनिया के तत्कालीन राजनीतिक सचिव अहमद पटेल का भी नाम लिया था। वोट के बदले इस नोटकांड में अमर सिंह के खिलाफ चार्जशीट भी दाखिल हुई थी। इस मामले में अमर सिंह और सुधीर कुलकर्णी को प्रमुख षड्यंत्रकारी आरोपित किया गया था।

संजीव सक्सेना और भाजपा कार्यकर्ता सुहैल हिन्दुस्तानी के साथ 22 जुलाई 2008 को लोकसभा में विश्वास मत के दौरान भाजपा सांसद अशोक अर्गगल, फग्गन सिंह कुलस्ते और महावीर सिंह भगोरा को वोट के बदले घूस दी थी। इसका लोकसभा में इन सांसदों ने नोटों की गड्डियां लहराकर पदार्फाश किया था। संसदीय परम्परा और नैतिकता की दुहाई देने वाले मनमोहन सिंह की सरकार बचाने के लिए यह षड्यंत्र अमर सिंह ने रचा था। मनमोहन सिंह पर कठपुतली प्रधानमंत्री आदि आरोप भले ही लगते रहे हों, किंतु उनकी व्यक्तिगत ईमानदारी पर अंगुली कभी नहीं उठी पर 22 जुलाई 2008 को नेपथ्य में रहकर जिस तरह से उन्होंने राजनीति के अग्रिम मोर्चे पर शिखंडी और बृहन्नलाओं को खड़ा करके विश्वास मत पर विजय हासिल की उससे कांग्रेस की सत्ता में बने रहने की ऐसी विवशता सामने आई, जिसने संविधान में स्थापित पवित्रता, मयार्दा और गरिमा की सभी चूलें हिलाकर रख दी थीं। हमारे माननीयों में से अनेक ने घूस के लालच में नैतिकता की सभी सीमाएं लांघने का काम स्टिंग ऑपरेशन के जरिए की गई बातचीत में भी किया है। 50 हजार की छोटी रिश्वत के लिए भी वे फर्जी विदेशी तेल कंपनी को बिना कोई सोच-विचार किए, भारत-भूमि पर उतारने के लिए तैयार हो गए थे। बिना यह शंका किए कि इस तथाकथित कंपनी का स्वदेशी कंपनियों पर क्या असर पड़ेगा ? अलबत्ता, रोड़ा दूर करने की दृष्टि से पेट्रोलियम मंत्रालय को सिफारिशी पत्र भी लिख दिए थे। लालच और लापरवाही की यह बैखौफ स्थिति एक स्टिंग ऑपरेशन के जरिए सामने आई थी। कई प्रमुख दलों के 11 सांसद रिश्वत का लेन-देन करते हुए गोपनीय कैमरे की आंख में कैद हो गए थे।

अब कौन पहुंचाएगा सरकारी संपत्ति को नुकसान

आरके सिन्हा

जिस बात का देश से प्रेम करने वाले हरेक नागरिक को विगत दशकों से इंतजार था, वह अब हो गई है। अब किसी आंदोलन के दौरान कथित आंदोलनकारी सरकारी या सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान नहीं पहुंचा सकेंगे। यदि नुकसान पहुंचाया तो उन्हें सख्त सजा होगी। हमारे यहां सरकार से अपनी मांगों के समर्थन में आंदोलन करने वाले आमतौर पर सरकारी बसों, इमारतों, रेलों और दूसरी सार्वजनिक सम्पतियों को बेशर्मी से तोड़ते रहे हैं। कहना न होगा आजाद भारत में इस कारण से सत्तर सालों में अरबों-खरबों रुपये का नुकसान हुआ। जिन्होंने नुकसान किया उन्हें किसी ने कुछ नहीं कहा। वे दशकों से मौज करते रहे। उनमें से कई बड़े नेता भी बन गए। पर अब आगे किसी ने सरकारी संपत्तियों को हानि पहुंचाई तो लेने के देने पड़ जाएंगे। इसलिए ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की ओर से पिछले मंगलवार को संसद में पेश भारतीय न्याय संहिता विधेयक, 2023 के अपडेटेड वर्जन में आतंकवाद के कृत्यों से निपटने वाली धारा 113 में संशोधन किया गया है। इसमें ह्यआतंकवादी कृत्यह्ण में देश की आर्थिक सुरक्षा और मौद्रिक स्थिरता पर हमले भी शामिल किये गये हैं। संसद की स्थायी समिति की ओर से सुझाए गए संशोधनों को ध्यान में रखते हुए मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मानसून सत्र में सदन में पेश किए गए भारतीय न्याय संहिता विधेयक, 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता विधेयक, 2023 और भारतीय साक्ष्य विधेयक, 2023 को वापस लेने का प्रस्ताव रखा जिसे सदन ने मंजूरी दी। इसके बाद उन्होंने नए विधेयकों को पेश किया। भारतीय न्याय संहिता विधेयक की धारा 113(1) में प्रावधान है कि अगर कोई व्यक्ति ऐसी मंशा या हरकत करता है, जिससे देश की संप्रभुता, एकता, अखंडता को नुकसान या खतरा पैदा होता है, या आतंकी घटना की मंशा रखता हो, आतंकी हमले करता हो, इसके लिए बम, हथियार, केमिकल, बॉयोलॉजिकल हथियार और जहर आदि का इस्तेमाल करता हो, जिससे जान-माल का नुकसान हो तो ऐसे मामले में दोषी शख्स को उम्रकैद या फांसी की सजा तक हो सकती है। भारतीय न्याय संहिता विधेयक की धारा 113(5) में कहा गया है कि अगर कोई शख्स भारत की रक्षा परिसंपत्ति को नुकसान पहुंचाता हो या अन्य तरह की सरकार की ऐसी संपत्ति को नुकसान पहुंचाता हो तो वह आतंकवाद यानी टेरर एक्ट माना जाएगा। इसी कानून की धारा 113(बी) में कहा गया- अगर कोई संवैधानिक पद पर बैठे या पब्लिक फंक्शनरी पर हमला करता है या अगवा करता है या ऐसी मंशा रखता है तो ऐसे मामले को भी टेरर एक्ट माना जाएगा। इससे मौत होने पर उम्रकैद और फांसी की सजा का प्रावधान है। आपको याद होगा कि नागरिकता संशोधन एक्ट (सीएए) के खिलाफ देश के कई हिस्सों में विरोध प्रदर्शन हुए थे। कई जगहों पर विरोध प्रदर्शन ने हिंसक रुख भी अख्तियार कर लिया। दिल्ली में जामिया मिलिया इस्लामिया के छात्रों ने भी विरोध प्रदर्शन के दौरान बसें और दूसरी गाड़ियां जला दीं थीं। तब सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि छात्रों को शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार है, लेकिन कोर्ट ने प्रदर्शन के दौरान हुए सार्वजनिक संपत्ति के नुकसान पर नाखुशी जाहिर की थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि छात्रों को बसें जलाने का अधिकार किसने दे दिया? कोर्ट ने छात्रों को चेतावनी देते हुए कहा कि अपनी बात रखने के लिए उन्हें सड़क पर उतरने का अधिकार तो है लेकिन, वो अगर सार्वजनिक संपत्ति का नुकसान करेंगे तो कोर्ट उनकी बात नहीं सुनेगा। अक्सर विरोध प्रदर्शनों में सार्वजनिक संपत्ति का नुकसान होता है। कभी बसें जला दी जाती हैं, कभी ट्रेनों पर पथराव होता है, कभी सरकारी इमारतों में तोड़-फोड़ होती है, तो कभी सरकारी ट्रांसपोर्ट व्यवस्था का नुकसान किया जाता है। ये सवाल बार-बार पूछा जाता था कि अगर विरोध प्रदर्शन में सरकारी संपत्ति का नुकसान होता है तो इसका जिम्मेदार कौन है? अब स्थिति साफ हो गई है। अब किसी ने सरकारी संपति को हानि पहुंचाई तो लेने के देने पड़ जाएंगे। कहना ना होगा कि विरोध प्रदर्शन के कारण भारतीय रेलवे को तो हमेशा बलि का बकरा ही समझा जाता है।

रेलवे को पिछले तीन सालों में लगभग 262 करोड़ रुपए का नुकसान झेलना पड़ा है और रेलवे को सबसे ज्यादा नुकसान 2022 में हुआ है। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कुछ समय पहले संसद में बताया था कि बीते तीन सालों में यानी कि 2020, 2021 और 2022 में भारतीय रेलवे को 1.78, 0.68 और 259.44 करोड़ रुपए का नुकसान विरोध प्रदर्शनों के दौरान रेलवे संपत्ति को क्षति पहुंचाने के कारण हुआ है।2022 में भारतीय सेना द्वारा सेना में भर्ती के लिए अग्निपथ योजना लाई गई थी जिसका देश के कई राज्यों में काफी विरोध हुआ था। उस समय रेलवे की संपत्ति में तोड़फोड़ की कई घटनाएं सामने आई थीं। वहीं कई ट्रेनों को भी प्रदर्शनकारियों ने आग के हवाले कर दिया था। दरअसल सरकारी और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ कानून पहले भी था। उसे सार्वजनिक संपत्ति नुकसान रोकथाम अधिनियम 1984 कहते थे। इसके प्रावधानों के मुताबिक अगर कोई व्यक्ति सरकारी या सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का दोषी साबित होता है तो उसे 5 साल की सजा हो सकती थी। इसमें जुमार्ने का भी प्रावधान था। ऐसे मामलों में दोषी पाए जाने पर सजा और जुमार्ना दोनों हो सकता था। पर पुराना कानून कमजोर पड़ रहा था या कहें कि उसका असर नहीं हो रहा था। इसलिए नए और सख्त कानून की दरकार थी। सुप्रीम कोर्ट को भी हमेशा लगता रहा कि इस मामले में और भी उपाय किए जाने की जरूरत है। 2007 में सार्वजनिक संपत्ति के भीषण नुकसान की खबरों पर सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया था। उस वक्त हिंसक विरोध प्रदर्शन, बंद और हड़ताल में सरकारी संपत्ति का खूब नुकसान हुआ था। सुप्रीम कोर्ट ने इस बारे में कानून में बदलाव के लिए दो कमिटी बनाई थी। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज केटी थॉमस और सीनियर वकील फली नरीमन को कमेटियों का प्रमुख बनाया गया था। 2009 में इन दोनों कमिटियों की सलाह पर सुप्रीम कोर्ट ने सरकारी और सार्वजनिक संपत्ति को लेकर कुछ गाइडलाइंस जारी किए थे। कहना ना होगा कि अब एक उम्मीद पैदा हुई है कि सरकारी संपत्ति से तोड़-फोड़ करने से पहले देश के दुश्मन दस बार सोचेंगे।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तभकार और पूर्व सांसद हैं)

पर्यावरणीय ख़तरों से बचने के लिए उठें ठोस कदम

राम भरोस मीणा

आज समूची दुनिया पर्यावरणीय खतरों से जूझ रही है। जीवाश्म ईंधन आज पर्यावरणीय संकट की अहम वजह है। जीवाश्म ईंधन के साथ हमें बारूद बनाने तथा अनावश्यक प्रयोगों पर भी खुलकर प्रतिबंध लगवाने की बेहद जरूरत है क्योंकि धरती को बचाने के लिए पर्यावरणीय प्रदूषण को बढ़ावा देने वाले सभी कल-कारखाने, अनुसंधानों, प्रशिक्षण केन्द्रों को त्याग कर पर्यावरण संरक्षण के सभी क़दम उठाना बहत ही आवशयक है।

आज सम्पूर्ण विश्व पर्यावरणीय प्रदूषण से उपजे ख़तरों से जूझ रहा है , वहीं आज देश के प्रत्येक शहर से स्वच्छ वायु एक तरह से गायब ही हो चुकी है। वहां ज़हर भरी हवाओं का बोलबाला हो गया है, जिससे आम आदमी का जीना दुश्वार हो गया है। चारों ओर धुंए के बाद ज़हर उगलतीं चिमनियां, स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डालती गैसें, अपशिष्टे एवं मल के साथ बहते गंदे नाले, कचरे के पहाड़ के साथ साथ आसमान में एक ऐसी चादर छा गई है जो सभी सजीव प्राणियों को निगलने को तैयार दिखाई देती है। इन सभी पर्यावरणीय ख़तरों को देखते हुए स्वाभाविक यह प्रशन उठने लगता है कि आखिर यह खतरा मानव के सामने क्यों पैदा हुआ है। कैसे पैदा हुआ और कब पैदा हुआ है ।और तो और व्यक्ति ,समाज, सरकार तथा राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर के संगठन इसे कठोरता से क्यों नहीं ले रहे ? आखिर इसकी वज़ह क्या है ? क्या प्रकृति प्रदत्त सभी संसाधनों का दोहन कर आम व्यक्ति को जीवन जीने देंगे, क्या स्वयं विकास की परिभाषा गढ़ने वाले इन हालातों में बच सकेंगे।

इन सभी प्रशनों को देखते हुए यह साफ़ हो जाता है कि विकास शब्द के साथ ही विनाश प्रारम्भ हुआ है। लेकिन विकास सभी को दिखाई दे रहा है लेकिन विनाश की तरफ़ किसी का ध्यान नहीं है। सबसे बडी बात यह है कि महज़ तीन से चार दशकों में इस विकास ने आगे बढ़ कर इंसान को विकास की परिभाषा बदलने के लिए मजबूर कर दिया है। इसको लेकर आज दुनिया का प्रत्येक देश यह सोचने को मजबूर हों गया है कि

इसके पीछे है कौन ?जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अन्य देशों पर इस बाबत दबाव बनाने में भारत ।सफल होता दिखाई दे रहा है।।

काप - 28 वार्ता में पर्यावरण संरक्षण के साथ बढ़ते तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस कम करने ,जीवाश्म ईंधन (कोयला , तेल, गैस) के उत्पादन और उपभोग , दोनों को कम करने के साथ साथ सभी मेजबानी कर रहे विकसित देशों से इसमें अर्थ के साथ- साथ सहयोग तथा सहमति की आशा दिखाई देने लगी है। वहीं संयुक्त राष्ट्र सचिव एंटोनियो गुटरेस ने कहा है कि धरती को बचाने के लिए ऊर्जा संरक्षण पर काम करना होगा क्योंकि हमारे पास यह आखिरी समय है। इसके लिए सहमत होना बेहद जरूरी है। राष्ट्रमंडल महासचिव पेट्रिसिया स्काटलैण्ड ने कहा है कि भारत को स्थिति को सम्हाल लेना चाहिए क्योंकि राष्ट्रमंडल कहे जाने वाले 56 देशों की आधी आबादी भारत में रहतीं हैं। यदि स्थिति यह बनती है कि भारत को आगे आने की आवशयकता है तो हमारे सामने यह अवसर भी है । हमें अपनी श्रेष्ठता के उन अवसरों को गवाना भी नहीं चाहिए।

अब समय की मांग है कि काप 28 में शामिल देशों को चाहिए कि वो बारूद के उत्पादन के साथ उनके उपयोग पर भी प्रतिबंध लगाएं। वर्तमान में गाजा में इजरायल - हमास की जंग में इजरायल फिलिस्तीन द्वारा किए गए मिसाइलों के प्रयोग से जो वहां प्रदूषण फैला है, वह क्षेत्र विशेष तक सिमट कर नहीं रह गया है। यह सम्पूर्ण विश्व को प्रभावित कर रही है जो प्रतिबंध योग्य है । ऐसे हालात में सभी देशों को सोचने को बाध्य होना चाहिए। क्योंकि इसके साथ ही जो कार्य समझौतों से हो सकें, वहां मुद्दों की आवशयकता नहीं होनी चाहिए।

हमें पर्यावरणीय ख़तरों से ऊपर उठकर अब ठोस कदम उठाने की जरूरत है। इसके लिए विचारधाराओं में बदलाव लाना होगा, परिभाषाएं बदलनी होंगी, संविधानिक ठोस कदम उठाने होंगे। सामाजिक व्यक्तिगत सोच बदलनी होगी, पर्यावरणीय ख़तरों से निजात पाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति और समाज को राष्ट्र को समर्पित होकर संरक्षण के कार्य करने होंगे। हमें चाहिए कि किसी भी प्रकार के वे क़दम नहीं उठाए जायें जिनसे हमारे प्रकृति प्रदत्त संसाधनों को हानि होती हों। यदि सभी राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक समान विचारधारा से सहमत होकर संरक्षण में जुटेंगे तब ही हम व हमारी धरती बच सकेंगी, इसमें दो राय नहीं है।

(लेखक पर्यावरणविद् व स्वतंत्र लेखक हैं)

जलवायु परिवर्तन और बढ़ते तापमान से जुड़े जीवन खतरे

ललित गर्ग

जलवायु परिवर्तन एवं बढ़ते तापमान के दुष्प्रभाव से यों तो सभी पीड़ित, परेशान और आशंकित हैं, पर इसके प्रभाव से दुनियाभर में संक्रामक बीमारियों में लाखों लोग आये हैं। विशेषज्ञों ने बढ़ते तापमान के साथ गंभीर बीमारियों के बढ़ने की चेतावनी जारी की है। इस बढ़ते तापमान से कृषि पर दुष्प्रभाव पड़ रहा है, विकासशील एवं अत्यंत पिछड़े राष्ट्रों में महिलाएं, पुरुषों की अपेक्षा कहीं अधिक आहत हो रही हैं। एक अनुमान के अनुसार, विकासशील देशों की डेढ़ अरब गरीब, आर्थिक रूप से वंचित, निर्णायक भूमिका विहीन, संसाधनों की पहुंच से दूर महिलाएं अपनी परम्परागत भूमिकाओं, सामाजिक अपेक्षाओं और आजीविका के मौजूदा विकल्पों के रहते जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों की अधिक मार झेल रही हैं। दुबई में सम्पन्न कॉप-28 की मीटिंगों में इन विषयों पर गंभीर चचार्एं हुई है। संभवतः पिछले तीस वर्षों में जलवायु परिवर्तन की बैठकों इतनी सार्थक चचार्एं नहीं हुई है। इस बार भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कहीं बातों एवं सुझावों को प्राथमिकता मिलना, इस जटिल होती समस्या के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। कॉप-28 जलवायु सम्मेलन यूएई सर्वसम्मति मसौदे के साथ दुबई में संपन्न हुआ, जिसमें जीवाश्म ईंधन से उचित परिवर्तन की वकालत की गई और जलवायु संकट से निपटने के लिए अतिरिक्त जलवायु वित्तपोषण प्रतिबद्धताओं की पेशकश की गई। हालाँकि जितनी विकराल समस्या है उसे देखते हुए जलवायु परिवर्तन के राक्षसों को नियंत्रित करने के लिए अभी व्यापक प्रयत्नों एवं संकल्पों से आगे बढ़ने एवं कठोर निर्णय लेकर उनकी क्रियान्विति आवश्यक है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने चेतावनी देते हुए कहा है कि जलवायु संकट से लोग बीमार हो रहे हैं और यह जीवन को खतरे में डाल रहा है। इन महत्वपूर्ण कॉप वातार्ओं में स्वास्थ्य चर्चा के केंद्र में होना चाहिए। डब्ल्यूएचओ का मानना है कि सम्मेलन को जलवायु संकट से निपटने के लिए शमन, अनुकूलन, वित्तपोषण और सहयोग के चार प्रमुख लक्ष्यों के साथ आगे बढ़ना चाहिए। हमारा ध्यान जलवायु संकट से स्वास्थ्य को होने वाले खतरे एवं जलवायु कार्रवाई से होने वाले स्वास्थ्य लाभ पर केन्द्रित होना चाहिए। जलवायु परिवर्तन पहले से ही लोगों के स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है और जब तक तत्काल कार्रवाई नहीं की जाएगी, तब तक यह तेजी से बढ़ता रहेगा। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक डॉ टेड्रोस अदनोम घेब्रेयसस ने कहा कि जलवायु परिवर्तन दुनिया भर में लाखों लोगों को बीमार या बीमारी के प्रति अधिक असरदार बना रहा है। बढ़ते तापमान की घटनाओं की बढ़ती विनाशकारिता गरीब और हाशिए पर रहने वाले लोगों को असमान रूप से प्रभावित करते हैं। कुपोषित व स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित महिलाओं में जलवायु परिवर्तन के कारण मलेरिया, हैजा-दस्त, डेंगू जैसे रोगों की आशंका कहीं अधिक रहती है। यह महत्वपूर्ण है कि बातचीत के केंद्र में स्वास्थ्य को रखने के लिए नेता और निर्णय निमार्ता कॉप 28 में एक साथ आएं।

हमारा स्वास्थ्य हमारे आस-पास के पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य पर निर्भर करता है, ये पारिस्थितिकी तंत्र अब वनों को काटे जाने, कृषि और भूमि उपयोग में बदलाव, बढ़ते प्लास्टिक प्रयोग तथा तेजी से हो रहे शहरी विकास के चलते खतरे में हैं। जानवरों के आवासों में अतिक्रमण अब मनुष्यों के लिए हानिकारक विषाणुओं संक्रमण के अवसरों को बढ़ा रहा है। 2030 से 2050 के बीच, जलवायु परिवर्तन से कुपोषण, मलेरिया, डायरिया और गर्मी के तनाव से हर साल लगभग ढाई लाख

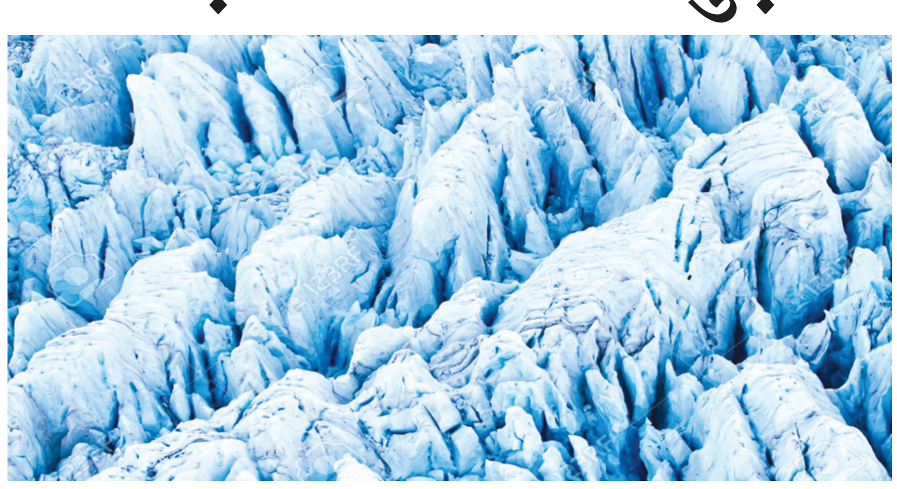

अतिरिक्त मौतें हो सकती हैं। वर्तमान जनसंख्या वृद्धि और जलवायु परिवर्तन के परिप्रेक्ष्य में कृषि उत्पादकता पहले से कहीं अधिक महत्त्वपूर्ण हो गई है। मौसम में बदलाव की अल्पकालिक घटनाओं तथा दीर्घकालिक जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के कारण धान, मक्का और गेहूं की पैदावार प्रभावित हो रही है और पाया गया कि तापमान का नकारात्मक प्रभाव लम्बे समय की तुलना में अल्पावधि में अधिक होता है। जलवायु परिवर्तन और मौसम में बदलाव की बार-बार हो रही चरम घटनाएं फसल की पैदावार पर कहर बरपा रही हैं और किसानों को अपनी फसलों के नुकसान को सीमित करने के अनुकूल उपाय करने के लिए मजबूर कर रही हैं।

जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को सीमित और नियंत्रित करने के लिए जरूरी है कि भारत दर्शन एवं संस्कृति में इसका समाधान खोजें। भारतीय परम्परा एवं धार्मिक कृत्यों ऐसे-ऐसे विधि-विधान एवं प्रावधान है जो जलवायु संकट से मुक्ति दिलाने में सक्षम है। भारत में धार्मिक कृत्यों में वृक्ष पूजा का महत्व मिलता है।

पीपल को पूज्य मानकर उसे अटल सुहाग से सम्बद्ध किया गया है, भोजन में तुलसी का भोग पवित्र माना गया है, जो कई रोगों की रामबाण औषधि है। बिल्व वृक्ष को भगवान शंकर से जोड़ा गया और ढाक, पलाश, दूर्वा एवं कुश जैसी वनस्पतियों को नवग्रह पूजा आदि धार्मिक कृत्यों से जोड़ा गया। पूजा के कलश में सप्तनदियों का जल एवं सप्तभृत्तिका का पूजन करना व्यक्ति-व्यक्ति में नदी व भूमि को पवित्र बनाए रखने की भावना का संचार करता था। सिंधु सभ्यता की मोहरों पर पशुओं एवं वृक्षों का अंकन, सम्राटों द्वारा अपने राजचिन्ह के रूप में वृक्षों एवं पशुओं को स्थान देना, गुप्त सम्राटों द्वारा बाज को पूज्य मानना, मार्गों में वृक्ष लगवाना, कुएं खुदवाना, दूसरे प्रदेशों से वृक्ष मंगवाना आदि तात्कालिक प्रयास पर्यावरण प्रेम को ही प्रदर्शित करते हैं। ह्यपानी और प्रेम को खरीदा नहीं जा सकताह्ण जैसी कहावत हमारे यहां प्रचलित रही है। ह्यरहिमन पानी राखिये बिन पानी सब सूनह्ण जहाँ इस उक्ति में पानी इज्जत और मान मयार्दा का प्रतीक बन पड़ा है, वही आज के इस पर्यावरणीय संकट में पानी के शाब्दिक अर्थ को ही बचा पाए तो हम रहीम के दोहे के साथ न्याय कर पाएंगे। यह तो केवल एक बानगी है जलवायु परिवर्तन एवं बढ़ते तापमान से हो रहे प्रकृति के विनाश के प्रति चिंता की।

जलवायु परिवर्तन एवं बढ़ते तापमान के लिये बढ़ता प्लास्टिक का प्रचलन भी बड़ा कारण है। वैज्ञानिकों ने कहा है कि प्लास्टिक प्रदूषण बहुत बड़ी समस्या है। किंतु माइक्रो प्लास्टिक की समस्या तो उससे भी कहीं ज्यादा भयानक समस्या बनती जा रही है। माइक्रो प्लास्टिक से विश्व भर के महासमुद्रों में पैदा हो रहा प्रदूषण आने वाले समय में बहुत विकट समस्या साबित होगा। यह समस्या इतनी विकट-विकराल होगी, जो सदियों तक मानव जीवन को प्रभावित करती रहेगी। विश्व की आबादी प्रतिवर्ष लगभग अपने वजन बराबर प्लास्टिक उत्पन्न करती है। प्रतिष्ठित अमेरिकी जर्नल साइंस में प्रकाशित वर्ष 2015 के एक वैश्विक अध्ययन के मुताबिक दुनिया के 192 समुद्र तटीय देशों में तकरीबन साढ़े सत्ताईस करोड़ टन प्लास्टिक कचरे का उत्पादन हुआ, जिसमें से बड़ी मात्रा में प्लास्टिक कचरा महासमुद्रों में प्रविष्ट हो गया। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आकलन अनुसार प्रतिवर्ष प्रत्येक भारतीय तकरीबन आठ किलोग्राम प्लास्टिक का उपयोग करता है। इसका निष्कर्ष यही हुआ कि भारत में प्रति वर्ष तकरीबन एक सौ लाख टन प्लास्टिक का उपयोग किया जाता है। प्लास्टिक की थैलियां हमारे रोजमर्रा के जीवन की जरूरत और सुविधा दोनों ही बनती जा रही है क्योंकि ये थैलियां आकर्षक, सस्ती, मजबूत और हल्की होती है। लेकिन ये ही प्लास्टिक थैलियों जल, जमीन, जंगल के लिए हद दर्जे तक हानिकारक साबित हो रही है। जल में रहने वाले समुद्री जीवों पृथ्वी पर रहने वाले मनुष्यों और मवेशियों सहित वन्यजीवन को खतरनाक ढंग से खत्म करने के लिए ये प्लास्टिक की थैलियां प्रमुखतः जिम्मेदार बनती जा रही हैं। इस तरह की समस्याओं पर भी कॉप सम्मेलनों में चर्चा होनी चाहिए।

पृथ्वी की रक्षा के लिये पर्यावरणीय प्रदूषण, अन्याय और अशुचिता के खिलाफ जनजागृति होना जरूरी है। भारतीय दर्शन, जीवन शैली, परंपराओं और प्रथाओं में प्रकृति की रक्षा करने का विज्ञान छुपा है। आवश्यकता दुनिया के सामने इसकी व्याख्या करने की है। जब तक हम भारतीय दर्शन के अनुरूप जीवनशैली नहीं अपनायेंगे तब तक ग्लोबल वार्मिंग एवं जलवायु परिवर्तन जैसी समस्या का समाधान नहीं मिलेगा। इसलिये प्रकृति की रक्षा करने वाली परंपराओं और संस्कृति को पुनर्जीवित करने की जरूरत है। विदित हो कि पर्यावरण को लेकर भारतीय ज्ञान पूरी तरह वैज्ञानिक है। हमें लालच छोड़ने, पृथ्वी को नष्ट नहीं होने देने और आवश्यकता के अनुरूप प्रकृति के संसाधनों का उपभोग करने का संकल्प लेने से ही ग्लोबल वार्मिंग का समाधान मिलेगा।

डकैती की साजिश रचते हिस्ट्रीशीटर सहित आठ बदमाश गिरफ्तार, अवैध हथियारों का जखीरा बरामद

6 पिस्टल, 7 मैगजीन, 19 जिंदा कारतूस, दो खाली कारतूस, दो धारदार चाकू, मिर्च पाउडर व एक स्कॉर्पियो जप्त

चमकता राजस्थान

उदयपुर (का. सं.) 15 दिसम्बर। डीएसटी व थाना अम्बामाता थाना पुलिस की टीम ने गुरुवार रात संयुक्त कार्रवाई करते हुए शिल्पग्राम के जंगलों से सुखेर थाने के हिस्ट्रीशीटर नरेश हरिजन सहित कुल 8 बदमाशों को पेट्रोल पंप डकैती की साजिश रचते गिरफ्तार किया है। इनके पास से पुलिस ने अवैध हथियारों के जखीरे समेत एक स्कॉर्पियो गाड़ी जप्त की है।एसपी भुवन भूषण यादव ने बताया कि रविवार रात डीएसटी के कांस्टेबल रविंद्र सिंह की सूचना पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लोकेंद्र दादरवाल व सीओ चांदमल सिंगारिया के नेतृत्व में एसएचओ डॉ हनवंत सिंह राजपुरोहित एवं डीएसटी प्रभारी देवेंद्र सिंह देवल मय टीम द्वारा संयुक्त रूप से शिल्पग्राम के जंगलों में दबिश दी। जहां सुखेर थाने का हिस्ट्रीशीटर नरेश हरिजन और उसके साथी साइफन पेट्रोल पंप में डकैती की योजना बना रहे थे। पुलिस टीम ने मौके से आठ बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

इन्हें किया गिरफ्तार

» मौके से पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर बदमाश नरेश हरिजन पुत्र श्यामलाल निवासी हरिजन बस्ती सूरजपोल हाल सुखेर, पुष्पेंद्र सिंह पुत्र बाबूलाल व अविनाश गुर्जर पुत्र रमेश निवासी टेकरी थाना सूरजपोल, आदित्य पुरी पुत्र रमेश निवासी सृष्टि एनक्लेव गोवर्धन विलास, रोहित पुत्र ओंकार लाल व गौतम पुत्र नरेंद्र निवासी रेती स्टैंड हिरण मगरी, प्रमोद सिंह पुत्र विष्णु धारी सिंह निवासी सेक्टर नंबर 9 हिरण मगरी हाल समता नगर सवीना तथा ईश्वरलाल खारोल पुत्र शंकर लाल निवासी खारोल कॉलोनी फतेहपुरा अंबा माता को गिरफ्तार किया है।

ये हथियार हुए बरामद

» पुलिस ने बदमाशों के पास से अवैध हथियारों का जखीरा बरामद किया है।6 पिस्टल, 7 मैगजीन, 19 जिंदा कारतूस, दो खाली कारतूस, दो धारदार चाकू व मिर्च पाउडर जप्त किये गए।

आपराधिक रिकॉर्ड

» अभियुक्त नरेश हरिजन के विरुद्ध पूर्व में हत्या, हत्या का प्रयास, मारपीट, अपहरण, आर्म्स एक्ट सहित कुल 34 प्रकरण, पुष्पेंद्र सिंह के विरुद्ध मारपीट के दो प्रकरण, अविनाश गुर्जर के विरुद्ध जेजे एक्ट का एक प्रकरण, रोहित के विरुद्ध मारपीट का एक, प्रमोद सिंह के विरुद्ध मारपीट के 6 और ईश्वर लाल खारोल के विरुद्ध जुआ अधिनियम में एक प्रकरण पहले से दर्ज है।

इस टीम ने की कार्रवाई

» एसएचओ अम्बा माता डॉ हनवंत सिंह, डीएसटी प्रभारी देवेंद्र सिंह देवल, एसआई तुलसीराम, एएसआई नारायण सिंह, प्रभारी साइबर सेल एएसआई गजराज सिंह, हेड कांस्टेबल नरेश कुमार, योगेश, धर्मेंद्र सिंह, मोहन सिंह, हितेंद्र सिंह, कांस्टेबल रविंद्र सिंह, अनिल, भूपेंद्र, करतार सिंह, रामनिवास, सीताराम, लोकेश रायकवाल, श्रवण कुमार एवं निलेश कुमार।

संक्षिप्त समाचार

निफ्ट जोधपुर में आयुर्वेद एवं हॉम्योपैथी ओपीडी का हुआ विधिवत शुभारंभ

चमकता राजस्थान। जयपुर। (खलील कुरैशी)वस्त्र मंत्रालय के राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय की ओर से शुक्रवार से ओपीडी परामर्श की शुरूआत हुई। इस मौके पर मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापति ने कहा कि आयुर्वेदिक चिकित्सा कई हजार साल पुरानी है। इसीलिए आज भी इसमें किसी रोग का उपचार या उसकी रोकथाम करने के लिए हर्बल दवाओं के साथ-साथ विशेष प्रकार के योग, व्यायाम और आहार बदलाव आदि की भी मदद ली जाती है। इससे पहले कुलपति प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापति ने फीता काटकर आयुर्वेद एवं हॉम्योपैथी ओपीडी शुरूआत की। निफ्ट जोधपुर के निदेशक प्रो. डॉ जीएचएस प्रसाद ने बताया कि आयुर्वेदिक नियमों के अनुसार हर व्यक्ति के शरीर में एक विशेष ऊर्जा होती है, जो शरीर को किसी भी बीमारी से ठीक करके उसे वापस स्वस्थ अवस्था में लाने में मदद करती है। प्रसाद ने कहा कि इस ओपीडी से स्टूडेन्ट्स, फैकल्टी मेंबर्स सहित सभी कर्मचारियों को मदद मिलेगी। इस मौके पर आयुर्वेद यूनिवर्सिटी से वैद्य ब्रह्मानंद शर्मा, डॉ गौरव नागर, निफ्ट की संयुक्त निदेशक प्रो. हरलीन साहनी सहित सभी फैकल्टी मेंबर्स मौजूद रहें।

केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ सीधे युवाओं को मिलेगा - डॉ शर्मा

● बाप कॉलेज में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

चमकता राजस्थान! बाप (कविकान्त खत्री)बाप राजकीय महाविद्यालय बाप में शुक्रवार को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें

विद्यार्थियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा महाविद्यालय के विद्यार्थियों का माय भारत पोर्टल पर पंजीकरण कराने का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए एनएसएस प्रभारी सहचार्य डॉ योगेश शर्मा ने बताया कि पंजीकरण का मूल उद्देश्य केंद्र सरकार द्वारा युवाओं को सशक्त बनाना है। यह एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जिसके माध्यम से युवाओं में नेतृत्व की क्षमता, विकसित राष्ट्र निर्माण की क्षमता एवं स्किल डेवलपमेंट पर फोकस किया जाएगा। इसमें 15 से 29 वर्ष तक के युवा अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। कार्यवाहक प्राचार्य सुरेंद्र कुमार जांदू ने बताया कि मेरा युवा भारत पोर्टल से युवाओं में सामाजिक निवेश का दायरा बढ़ेगा, जिससे हमारी सामुदायिक आवशयकताओं की पूर्ति बेहतर ढंग से हो पाएगी। इस पोर्टल के माध्यम से युवा अपनी क्षमता और विचारों को साझा कर सकेंगे, जिससे भारत को एक नवीन दिशा प्राप्त होगी। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने 1 घंटे का श्रमदान भी किया। इस मौके शिव कुमार, हितेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

नसीराबाद के भाजपा प्रत्याशी विजय होने पर श्रीनगर भाजपा मंडल द्वारा स्वागत

चमकता राजस्थान। श्रीनगर (रघुनंदन पारीक)जयपुर मुख्यमंत्री शपथ समारोह में पहुंचे श्रीनगर मंडल अध्यक्ष केके जोशी उपाध्यक्ष रामसिंह रावत, उपाध्यक्ष मेघराज रावत, मेरी सिंह रावत, वरिष्ठ भाजपा नेता हरि ओम यादव भाजपा देहात महिला मोर्चा उपाध्यक्ष सुनीता यादव ,भाजपा ओबीसी मोर्चा जिला उपाध्यक्ष, महावीर मेघवंशी मंडल उपाध्यक्ष, सहित कई भाजपा नेता रहे वह विधायक रामसरूप लाम्बा माला साफा पहनाकर स्वागत किया।

जन अधिकार मंच की नवीन कार्यकारिणी का हुआ गठन

● सवैधानिक अधिकारों के बारे में जन जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य

चमकता राजस्थान

धौलपुर (रामदास तरुण) धौलपुर में जन अधिकार मंच की नवीन कार्यकारी का हुआ गठन : संवैधानिक अधिकारों के बारे में जन जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से ग्राम सेवर , बाड़ी में 'जन अधिकार मंच' का गठन किया गया जिसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष अनेक सिंह परमार, उपाध्यक्ष रामस्वरूप सिंह परमार, सचिव परशुराम परमार, उप सचिव रामसिंह, कोषाध्यक्ष पान सिंह परमार, उपकोषाध्यक्ष विजय सिंह तथा 'जन अधिकार मंच' के संरक्षक के रूप में भूतपूर्व सरपंच लोचन सिंह परमार सहित कार्यकारिणी का गठन किया गयो राज्य समन्वयक राकेश कुमार ने

बताया कि जन अधिकार मंच एक सामाजिक मंच है जो कि गरीब, वंचित, शोषित तथा अति पिछड़े लोगों के लिए संविधान द्वारा दिए गए अधिकारों जैसे शिक्षा का अधिकार, स्वास्थ्य का अधिकार, जीवकोपार्जन का अधिकार , भोजन का अधिकार आदि के लिए कार्य किया जाएगो सर्वप्रथम मंच की नवीन कार्यकारिणी द्वारा शिक्षा के अधिकार के तहत जो बच्चे संसाधनों के अभाव में स्कूल नहीं जा पाते हैं या अच्छी शिक्षा से वंचित हो जाते है उन बच्चों के लिए स्कूल बैग, मेट, स्लीपर आदि सामग्री वितरण हेतु 26 दिसंबर 2023 को कक्षा 1 से 5 तक के बच्चों को दी जायेगी ग्राम पाली में जन अधिकार मंच के गठन और उनके दायित्व के निर्वहन हेतु बलराम मल्हा तथा ग्राम खरेरपुरा की जिम्मेदारी भारत मल्हा को दी गई।

अंत में सभी उपस्थित गणमान्य लोगों को धन्यवाद देते हुए बैठक का समापन किया गया।

नोनिहलो के लिए टीकाकरण अमृत बाणः खत्री

● श्रीरामपुरा में जागरूकता गोष्ठी आयोजित

चमकता राजस्थान। बाप(कविकान्त खत्री)बाप ग्रामीण विकास विज्ञान उप केंद्र बाप द्वारा संचालित सूखा शमन परियोजना के तहत स्वास्थ्य जागरूकता गोष्ठी का श्री रामपूरा में शुक्रवार को आयोजन हुआ। फील्ड सुपरवाइजर बीरमाराम सेन ने बताया की ग्राविस संस्था ग्राम विकास के साथ स्वास्थ्य, शिक्षा, जल पर काम करती है। संदर्भ व्यक्ति अखेराज खत्री ने उपस्थित ग्रामीणों को कहा कि सर्दी से बचाव ही उपचार है। हमारे नोनिहालो को हम समय पर सभी टीके अवशय लगवाए, यह उनके लिए राम बाण है। उनके सही समय पर टीके लगने से जीवन भर कई बीमारियों से निजात पा सकते है।गर्भवती महिलाओं में खून की कमी होती है, उन्हें उचित पोष्टिक आहार, दूध, फल, हरि सब्जी, दाल, अंडे इत्यादि तथा प्रोटीन, वसा युक्त चीजों का सेवन करना चाहिए, जिससे गर्भवती महिला का सुरक्षित प्रसव हो। सर्दी का मौसम आ गया है, हमे अपना व छोटे बच्चों का विशेष ध्यान रखना होगा। उचित कपड़े ठंड से बचने के लिए जरूरी है। सर्दी जुखाम बुखार होने पर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर उचित इलाज ले। पानी के कारण भी बीमारिय फैलती है, हमे पानी छानकर पीना चाहिए। इस मौके जगमाल राम, भाकर राम, भेराराम, शेराराम, बगराम, कानाराम रामेश्वर, खियाराम, भगाराम आदि उपस्थित थे।

अवैध शराब के ठेके को बंद करने हेतु उप जिला कलेक्टर रेखा मीणा को दिया ज्ञापन

चमकता राजस्थान

धौलपुर (रामदास तरुण) धौलपुर के सरमथुरा उपखंड के गांव बिलोनी में अवैध शराब के ठेके को लेकर ग्राम वासियों के अंदर भारी रोस व्याप्त है ग्रामवासीयों ने उपखंड अधिकारी सरमथुरा रेखा मीणा को अवैध शराब के ठेके को बंद करने को लेकर ज्ञापन दिया! ग्राम वासियों ने ज्ञापन में बताया कि गांव बिलोनी में मां चामुंडा देवी के मंदिर पर सूरज शर्मा द्वारा अवेध दारू का ठेका संचालित किया जा

रहा है! जिससे यात्रियों को आने जाने वाली महिलाओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है! आए दिन दारू पीकर उत्पाद मचाते हुए लोगों से यात्री भयभीत रहते हैं!एसडीम से निवेदन करते हुए ग्राम वासियों ने कहा कि अवैध ठेके को बंद कराया जाए एवं संचालक कर्ता के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाए! ज्ञापन देने में डॉक्टर मुकेश बिलोनी चरण लाल मीणा शिव सिंह मीणा वीर सिंह मीणा राकेश मीणा चरण सिंह मीणा बच्चू सिंह मीणा दर्जनों ग्रामवासी मौजूद थे

कानासर में संगीतमय भागवत कथा व नैनी बाई का मायरा 21 से, पोस्टर का किया विमोचन

चमकता राजस्थान। बाप(कविकान्त खत्री) बाप क्षेत्र के कानासर गांव में 21 से 31 दिसबर तक आयोजित होने वाली संगीतमय भागवत कथा व नानी बाई के मायरा का पोस्टर विमोचन शुक्रवार को किया गया। आयोजन कमेटी के सदस्यों ने बताया की कथा का वाचन जोधपुर के गो वत्स पंडित हेमन्त महाराज दाधीच करेंगे। कथा का वाचन दोपहर 12.15 बजे से 4.15 बजे तक होगा। 27 दिसम्बर व 30 दिसम्बर को भव्य भजन संध्या का आयोजन होगा। इस भजन संध्या में मशहूर गायक कलाकार ओम मुंडेल, भवर गायणा, महावीर सांखला, महेंद्र गोड़ विशेष रूप से उपस्थित होकर प्रस्तुति देंगे। विशाल शोभा यात्रा व कलश यात्रा 21 दिसम्बर प्रातः सवा 10 बजे दादी अनदल सती मंदिर से प्रारम्भ होकर बाबा रामदेव मंदिर से कथा स्थल बाप रोड पहुचेगी। कथा को लेकर ग्रामीणों में जबरदस्त उत्साह है। घर घर निमंत्रण पत्रिका भेज कर अधिकतम लोगो को सत्संग का लाभ लेने का निवेदन किया जा रहा है। पोस्टर विमोचन के दौरान पूर्व प्रधान सुल्तानाराम गोदारा, सोनलपुरा सरपंच भवनलाल खिलेरी सहित ग्रामीण उपस्थित थे।

विकसित भारत संकल्प यात्रा का आज

अराई (अजमेर)की कालानाडा एवं भोगादित ग्राम पंचायतों में होगा भव्य आयोजन

चमकता राजस्थान

अराई (शंकर शर्मा),अराई (अजमेर) विकसित भारत संकल्प यात्रा के सफल आयोजन हेतु उपखंड अधिकारी एवम नोडल अधिकारी अराई (अजमेर) देवी लाल यादव ने आदेश जारी कर अवगत कराया कि दिनांक ,16.12.2023 को अराई(अजमेर)पंचायत समिति की कालानाडा एवम भोगादीत ग्राम पंचायतों में आयोजन होगा जिनमें भारत सरकार द्वारा विभिन्न फ्लैगशिप योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुँचाने के लिए जागरूकता एवं प्रचार-प्रसार, प्रभावी क्रियान्वयन, योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुँचाने तथा योजनाओं के निर्धारित लक्ष्य

प्राप्ति हेतु ₹विकसित भारत संकल्प यात्रा₹ प्रारम्भ की गई है। इस यात्रा के उद्देश्य इस प्रकार हैः जिसमे वंचितों तक पहुँच ऐसे पात्र व्यक्ति तक योजनाओं को पहुँचाना जो आदिनांक तक अपेक्षित लाभ से छूटे हुए है एवम सूचनाओं का प्रसार एवं योजनाओं के प्रति जागरूकता पैदा करना।साथ ही नागरिकों से सीखना- सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद कर उनकी सफलता की कहानी (मेरी कहानी मेरी जुबानी) / अनुभव आदि साझा कर योजनाओं के लाभान्वितों के साथ संवाद स्थापित करना।शिविर में यात्रा के दौरान लाभार्थियों का योजनाओं हेतु नामांकन करना।उपखण्ड क्षेत्र अराई की ग्राम पंचायतों हेतु विकसित भारत संकल्प यात्रा का कार्यक्रम निम्नानुसार रहेगा जिसके सफल आयोजन हेतु निम्न प्रकार से प्रोग्राम डे नोडल अधिकारी व तिथियां निर्धारित की गई है इसमें शामिल सभी विभागों के अधिकारियों को अधिक से अधिक प्रसार करने हेतु निर्देशित किया गया है एवम कहा गया है इस किसी भी प्रकार की शिथिलता नही बरते इस यात्रा शिविरों का आयोजन 16से 27दिसंबर तक 16ग्राम पंचायतों पर होगा कार्यक्रम की तिथियां एवम शिविरों के दिन नोडल अधिकारी नियुक्त किए हैं पंचायत समिति में कुल 16 ग्राम पंचायत है जिसमे इस प्रकार से आयोजन होगा 16.12.2023 को भोगादीत व कालानाडा, 18.12.2023 को कटसूरा व देवपुरी, 19.12.2023 को दादिया व अराई 20.12.2023को सिरोंज व भामोलाव 21.12.2023 को काकलवाडा व ढसूक, 22.12.2023 को झिरोता व गोठियाना, 26.12.2023 को आकोड़ीया व छोटा लांबा 27.12.2023 को सांदोलीया व मंडावरिया इन सभी शिविरों में लगाए गए नोडल अधिकारियों एवम भाग लेने वाले विभागों के अधिकारियों से विकसित भारत संकल्प यात्रा के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं उपरोक्त यात्रा कार्यक्रम अनुसार जिस दिन विकसित भारत संकल्प यात्रा ग्राम पंचायत में प्रवेश करेगी, उस दिन ग्राम पंचायत में ग्राम सभा का आयोजन किया जायेगा।

वेदांता पिंक सिटी हाफ मैराथन के दो दिवसीय बिब एक्सपो का आगाज -13 रनिग कैटेगरीज में मिले पिंकसिटी रनर पुरुस्कार

चमकता राजस्थान

जयपुर। (खलील कुरैशी)गुलाबी शहर की ऐतिहासिक इमारतो से बढ़ते कदमों का उत्सव, एक-दूसरे का हौसला बढ़ाते हर उम्र के रनर्स और 21 किमी के रूट पर गूंजती तालियां। एक बार फिर ये खुशनुमा दृशय जयपुर में देखने को मिलेगा। यह मौका होगा वेदांता पिंक सिटी हाफ मैराथन के 8वें संस्करण का जो 17 दिसंबर को आयोजित होने जा रहा है। जयपुर राइट इस मैराथन में विभिन्न देशों के रनर्स को 'रन फॉर दे जीरो हंगर' के संदेश के साथ रन में भाग लेते देखेंगे। साथ ही जानी मानी हस्तियां जैसे वेदांता के एग्जीक्यूटिव अयरेक्टर और हिंदुस्तान जिंक के सीईओ, अरुण मिश्रा और केयर्न ऑयल एंड गैस के डिप्टी सीईओ डॉ. स्टीव मूर, क्रमशः 21 किमी हाफ मैराथन और 5 किमी ड्रीम रन में भाग लेंगे। यह जानकारी मैराथन के बॅ. मनोज सोनी ने दी इसी कड़ी में शुक्रवार से दो दिवसीय बिब एक्सपो की शुरूआत गोपालपुरा स्थित सी के बिला अस्पताल मैदान में हुई जिसका विधिवत उद्घाटन दीप प्रज्वलन से वेदांता रिसोर्सेज लिमिटेड में वेदांता समूह की सीएसआर हेड, लीना । उन्होंने आगे बताया कि मैराथन के वेरेनकर द्वारा किया गया। हॉफ मैराथन 21.097 किमी की होगी जो एनआरआई चौराहा, महल रोड, प्रताप नगर से सुबह 6:30 बजे फ्लैग ऑफ होगी। एनआरआई चौराहा, महल रोड, प्रताप नगर से शुरु होकर मैराथन गोनेर रोड होती हुई आवासरी माता मंदिर रोड से यू-टर्न लेक-र वापस एनआरआई चौराहे पर पहुंच कर समाप्त होगी। ये नया रूट एसोसिएशन ऑफ़ इंटरनेशनल मैराथन एंड डिस्टेंस रेस (एआईएमएस) द्वारा शुक्रवार को ही प्रमाणित किया गया है। इसके अलावा रूट पर मेडिकल समेत अन्य किसी भी स्थिति में मदद के लिए वॉलटियर्स तैनात किए जाएंगे। पिंक सिटी मैराथन के डॉ. मनोज सेनी ने बताया कि बिब एक्सपो के पहले दिन 13 कैटेगरी में पिंकसिटी रनर अवॉर्ड मैराथन में शामिल होने वाले रनर्स को दिए गए जिनमें न्यूकमर रनर अवार्ड (मेल मनीष जांगिड़ (जोशीले), विजय सिंह, हरेंद्र सैनी, महेश कुमार, वैभव गुप्ता, अमित गुप्ता और फीमेल योगिनी, रितिका जोशी, शिप्रा, अंकिता बोथरा, अनुजा सिंघल, कीर्ति राठौड़); कंसिस्टेंट रनर अवार्ड (मेल-विवेक शर्मा, केएस डोडवाडिया, डॉ. सौरभभार्गव, जगदीप शर्मा, जयप्रकाश और फीमेल नेहा सिंह, किरण मान, शारदा चौधरी), कपल रनर अवार्ड, नरेंद्र एंड मोनिका खर्रा और पीयूष एंड दीपिका नौलखा, किड्स रनर अवार्ड, दर्शिका सैनी और शौर्य तिवारी, आउटस्टैंडिंग रनर अवार्ड, मनोज मूंड, अल्ट्रा रनर अवार्ड, अमर सिंह देवेंदा, इमर्जिंग ग्रुप ऑफ दी ईयर, नेहरू गार्डन रनर, फिटनेस गुरु अवार्ड, अरविन्द सजवाण और स्मिता गुप्ता, इन्फ्लुएंसर रनर अवार्ड, अरुण सिंह पुनिया, सचिन सिंह, संदीप यादव और अनूप झालानी; ट्रिएथलीट अवार्ड, डॉ. साधना आर्या, राजेंद्र भास्क-र, सुरेंद्र तलेरा, अमित भसीन, अभिषेक मित्तल, डॉ सुनीत सोनी, नुपर जानू, सुयोग करबा, राजपाल चौधरी, गोल्डन ट्रायंगल राइडर अवार्ड, त्रिलोक, इंदु गुर्जर, प्रशांत बिष्ट, संजय चौधरी, अमन जयपुर, तनुज शेखावत, अक्षित भारद्वाज, जतिन सिंह, राहिल भाटिया; टाइगर जगजीत सिंह मेमोरियल अवार्ड, संजय परिहार, डॉ. मोनिया गोयल, डॉ. लोकेन्द्र शर्मा वर्ष का स्टार रनर अवार्ड, विष्णु टांक, को देकर सम्मानित किया।

संक्षिप्त समाचार

अराई (अजमेर)उपडाकघर कार्यालय में आधार से संबंधित सभी सेवाएं पुनः हुई प्रारंभ उप डाक घर इंचार्ज : राजीव लोचन

चमकता राजस्थान। अराई !,(शंकर शर्मा)अराई (अजमेर) उपखंड मुख्यालय पर जिसमे पूरी 16ग्राम पंचायतों की जनता को इस पोस्ट ऑफिस से आधार कार्ड संबंधी सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध हो रही थी विगत दो - तीन महिनों से अपरिहार्य कारणों से यह सेवाएं बंद हो गई थी जिससे क्षेत्र की जनता को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था इसे पुनः चालू करवाने हेतु प्रतिदिन डाकघर इंचार्ज से क्षेत्र वासी मांग करते थे इस संबंध में डाक घर इंचार्ज राजीव लोचन ने बताया कि नए आधार बनाने तथा आधार में परिवर्तन करवाने से संबंधित किसी भी कार्य हेतु प्रातः 10.30 से 11 बजे के बीच आकर काउंटर से टोकन प्राप्त कर लेवे । और जो समय दिया जाए उसके अनुसार अपने आधार से संबंधित कार्य करवा लेवें यह आधार कार्ड की सेवा चालू कराने पर डाकघर इंचार्ज राजीव लोचन का गणमान्य नागरिकों एवम विभिन्न संस्थाओं ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सचिवालय स्थित कार्यालय पर विधिवत पूजन कर पदभार ग्रहण किया

चमकता राजस्थान। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सचिवालय स्थित कार्यालय का विधिवत पूजा अर्चना कर पदभार ग्रहण किया !कार्यक्रम में मुख्यमंत्री माननीय श्री भजन लाल शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष श्री सीपी जोशी जी, पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे जी, केंद्रीय मंत्री श्री गजेंद्र सिंह जी शेखावत, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष श्री सतीश जी पूनिया, श्री अशोक जी परनामी, जयपुर सांसद श्री रामचरण जी बोहरा, सांसद श्री नरेंद्र जी खीचड़, जयपुर महापौर सौम्या जी गुर्जर, हाथोज पीठ के महाराज व हवा महल विधायक श्री बालमुकुंद आचार्य जी, बगरू विधायक श्री कैलाश जी वर्मा, विधायक श्री विजय जी चौधरी, विधायक कल्पना कुमारी जी, विधायक दीप्ति जी माहेश्वरी, प्रदेश पदाधिकारी और भारतीय जनता पार्टी के सम्मानित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री शपथ ग्रहण समारोह में हवा महल विधायक बालमुकुंद आचार्य भी हुए शामिल

चमकता राजस्थान/जयपुर। अल्बर्ट हॉल में हुए मुख्यमंत्री भजनलाल के शपथ ग्रहण समारोह में हवा महल विधायक बाल मुकुंद आचार्य भी शामिल हुए। इसके पश्चात बाल मुकुंद आचार्य ने मुख्यमंत्री भजनलाल को मुंह मीठा कर माल्यार्पण कर बधाई प्रेषित की!
इसी के साथ उनके मुख्यमंत्री काल में राजस्थान दिनों दिन तरक्की करें इसकी कामना की।
अलबर्ट हॉल पर लगे मंच पर अलग से ही संत विराजमान रहे हैं हवामहल विधायक बालमुकुंद आचार्य ने बताया कि जगद्गुरु रामभद्राचार्य, मंशापूर्ण हनुमान दाम के प्रमुख ,ज्योतिषाचार्य पंडित पुरुषोत्तम गौड़ , त्रिवेणी धाम के स्वामी राम राजपाल देव ,आचार्य महंत सियाराम दास,महंत प्रताप पूरी, स्वामी सुमेधानन्द सरस्वती, बालक नाथ सहित अन्य संत महंत मौजूद रहे इस मौके पर विद्वानों ने जय ज राम के जयकारे लगाए ।

अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत जयपुर ग्रेटर

डेलवास स्वैग ट्रीटमेंट्स प्लांट का दौरा करने पहुंचा अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि मण्डल

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी)विदेश मंत्रालय (एमईए), भारत सरकार एवं हडको द्वारा ₹शहरी गरीबों को आवास - नीति, योजना और कार्यान्वयन - भारतीय अनुभव₹ विषय पर आयोजित भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) के अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यकम किया जा रहा है। जिसमें 15 देशों जैसे अल्बानिया, अर्जेंटीना, कोट डिलवोइर, इंडोनेशिया, जमैका, लेसोथो, मालदीव, नाइजर, दक्षिण सूडान, श्रीलंका, सीरिया, ताजिकिस्तान, तंजानिया और जिम्बाब्वे से 27 प्रोफेशनल, आर्किटेक्ट, टाउन प्लैनर, इंजीनियर, प्रशासक, शहरी डिजाइनर, सामुदायिक विकास समाजशास्त्री भाग ले रहे है। इस वर्ष ट्रेनिंग कार्यकम अनुसार अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों का प्रतिनिधि मण्डल राजस्थान राज्य की विभिन्न आधारभूत संरचना / आवासीय योजनाओं का अध्ययन करने के कम में दिनांक 14.12.2023 से 16.12.2023 तक जयपुर के Study Tour पर है। ट्रेनिंग कार्यकम के अंतर्गत आज दिनांक 15.12.2023 को नगर निगम जयपुर ग्रेटर के डेलवास स्थित Sewage Treatment Plant (215MLD) का दौरा किया गया, जो कि हडको द्वारा वित्त पोषित है। दौरे के दौरान Museum / Audio-Visual Gallery तथा प्रस्तुतिकरण के माध्यम से प्लान्ट के कार्य के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। प्रतिनिधि मण्डल द्वारा जानकारी प्रदान करने पर धन्यवाद व्यक्त किया तथा कार्य की प्रशंसा की।इस दौरान उमंग राजवंशी,अधिशासी अभियंत , प्रशांत गांधी सहायक अभियंता एवं आशीष वर्मा,प्रशांत चौधरी कनिष्ठ अभियंता नगर निगम जयपुर ग्रेटर उपस्थित रहे।

अलवर से नटनी का बारां सड़क मार्ग होगा चौड़ा, 75 करोड रुपए की राशि हुई स्वीकृत -

चमकता राजस्थान। अलवर।(नि. सं) अब जल्द ही अलवर से नटनी का बारां सड़क मार्ग को चौड़ा किया जाएगा। जिसके लिए भारत सरकार ने 75 करोड रुपए की राशि स्वीकृत की है। निजी प्रवक्ता मनोज शर्मा ने बताया कि अलवर से जयपुर सड़क (न. 248 ए) जो की वर्तमान में 5. 5 मीटर चौड़ाई में है एवं यह सड़क अलवर जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों तक जाने का भी मार्ग है, इस सड़क की कम चौड़ाई एवं अत्यधिक यातायात भार होने के कारण प्रतिदिन दुर्घटनाएं घटित हो रही है एवं जानमाल की हानि भी होती है। ऐसी स्थिति में इस सड़क का उपयोग करने से भी आम नागरिक कतराता है। इसी परेशानी को देखते हुए शहर विधायक संजय शर्मा के प्रयासों से उक्त सड़क की चौड़ाइकरण की मांग व आवशयकता को देखते हुए उक्त सड़क के चौड़ाइकरण हेतु अलवर से नटनी का बारां तक कुल 17 किलोमीटर लंबाई हेतु 75 करोड रुपए की राशि की स्वीकृति भारत सरकार ने जारी कर दी है। जिसकी निविदाएं शीघ्र आमंत्रित कर कार्य प्रारंभ कर दिया जाएग। शर्मा ने बताया कि इस मार्ग के बनने से न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, अपितु रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे एवं जयपुर जाने हेतु भी एक कम दूरी का रास्ता उपलब्ध होगा। वहीं नटनी का बारां से थानागाजी तक एलिवेटेड सड़क के कार्य की भी डीपीआर बनाने का कार्य भी किया जा रहा है एवं थानागाजी से शाहपुरा मोड तक की सड़क का चौड़ाइकरण का कार्य भी प्रगतिरत है। अलवर से नटनी का बारां तक सड़क मार्ग के चौड़ाइकरण की मिली स्वीकृति को लेकर शहर विधायक संजय शर्मा ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय राजमार्ग व सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी एवं वन एवं पर्यावरण व श्रम मंत्री भूपेंद्र यादव का आभार जताया है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री शीशराम ओला को दी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि

चमकता राजस्थान। चिड़ावा! (नि. सं। निकटवर्ती ग्राम अरडावता में किसान नेता पूर्व केंद्रीय मंत्री शीशराम ओला की पुण्यतिथि पर उनके समाधि स्थल पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। श्रद्धांजलि सभा में ओला के पुत्र और पूर्व परिवहन मंत्री बृजेंद्र सिंह ओला, सरजीत ओला, फतेहपुर से विधायक हाकम अली उदयपुरवाटी विधायक भगवानाराम सैनी, पिलानी विधायक पितराम काला, मंडावा रीटा चौधरी, पूर्व जिला प्रमुख डॉ. राजबाला ओला, पंचायत समिति सदस्य अमित ओला, आकांक्षा ओला सहित ओला परिवार के सदस्यों ने सबसे पहले शीशराम ओला स्मृति स्थल पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान सभी ने दो मिनट का मौन धारण किया। सभा में चिड़ावा चेयरमैन सुमित्रा सैनी, झुंझुनूं नगरपरिषद सभापति नगमा बानो, पूर्व प्रधान इंद्रा डूडी, पूर्व चेयरमैन तालिब हुसैन, महेंद्र झाझडिया, मोहर सिंह सोलाना, जिप सदस्य डॉ. विनिता रणवा, नगर परिषद सदस्य अजमत, प्रदीप सैनी सहित बड़ी संख्या में राजनेताओं, विशिष्ट जनों ने ओला को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

रेप केस में बीजेपी विधायक रामदुलार को 25 साल की सजा और 10 लाख का भी जुर्माना

चमकता राजस्थान। सोनभद्र, (एजेंसी) नाबालिग से रेप के मामले में दुद्धी विधानसभा सीट से बीजेपी विधायक रामदुलार गोंड को सोनभद्र की एमपी/एमएलए कोर्ट ने 25 साल की सजा सुनाई है. साथ ही कोर्ट ने गोंड पर 10 लाख का जुर्माना लगाया है. इस मामले में कोर्ट ने 12 दिसंबर को बीजेपी विधायक को दोषी करार दिया था. साथ ही जेल भेज दिया गया था. सजा मिलने के बाद रामदुलार गोंड की विधायकी जानी तय है.इससे पहले जब बीजेपी विधायक को दोषी करार दिया गया तब पीड़िता के वकील विकास शाक्य ने बताया था, केस के दौरान पीड़िता को समझौता करने के लिए रुपयों का लालच दिया गया था. इतना ही नहीं तरह-तरह से धमकियां भी दी गईं थीं.

- **पीड़िता की ससुराल जाकर विधायक ने दी थी धमकी**

दोषी करार दिए गए विधायक रामदुलार सिंह गौड़ ने पीड़िता की शादी के बाद उसकी ससुराल जाकर भी धमकियां दी थीं. रसूख का इस्तेमाल कर कई तरह से दबाव बनाने की कोशिश की थी. मगर, उसकी सारी योजना फेल हो गईं. पीड़ित पक्ष अपनी बात पर अडिग रहा और केस में लगातार पैरवी करता रहा.

- **'दूसरे पक्ष ने इसे आधार बनाकर बचने की कोशिश की'**

दुष्कर्म के बाद पीड़िता गर्भवती हो गई थी. अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट कोर्ट में पेश की गई थी.डीएनए जांच के लिए भी कहा गया था, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया था. दूसरे पक्ष ने इसे आधार बनाकर बचने की कोशिश की. मगर, सुनवाई पूरी होने के बाद हमारे हक में फैसला आया. विधायक द्वारा चले गए सारे दांव फेल हो गये।

सांसद सुमेधानंद सरस्वती विकसित भारत संकल्प यात्रा वैन को आज हरी झण्डी दिखाकर करेंगे रवाना

चमकता राजस्थान। सीकर। (नि.सं) जिला नोडल अधिकारी विकसित भारत संकल्प यात्रा एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद, सीकर राकेश कुमार गढ़वाल ने बताया कि विकसित 'भारत संकल्प यात्रा' की यात्रा वैन को 16 दिसम्बर 2023 को अपराह्न 3:30 बजे जिला मुख्यालय से सांसद सुमेधानंद सरस्वती के आतिथ्य में हरी झण्डी दिखाकर समारोह पूर्वक जिले के समस्त ब्लॉकों के लिए रवाना की जायेगी। उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय कार्यक्रम के पश्चात संबंधित विभागों के साथ विकसित 'भारत संकल्प यात्रा' कार्यक्रम के संबंध में फ्लैगशिप योजनाओं की समीक्षा भी की जावेगी। उन्होंने निर्देशित किया है कि समस्त सदस्य, जिला समन्वयक समिति, 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए अब तक आपके विभाग द्वारा की गई कार्यवाही एवं प्रस्तावित कार्यवाही से संबंधित विवरण सहित जिला मुख्यालय पर दोपहर 3 बजे अनिवार्यतः उपस्थित रहना सुनिश्चित करें।

ललित गोयल प्रागपुरा मंडल संयोजक मनोनीत पावटा

चमकता राजस्थान । पावटा (नि.सं.) । प्रागपुरा कस्बा निवासी ललित गोयल पूर्व जिला पार्षद को विकसीत भारत योजना में भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रागपुरा मंडल संयोजक मनोनित किया गया है। गौरतलब है ललित गोयल के जमीनी स्तर पर मजबूत और और समर्पित निष्ठावान सेवाभावी तथा स्वच्छ छवि के कारण उनको यह जिम्मेदारी दी गई है उनके मनोयन के शुभ अवसर पर ग्रामवासियों समेत पार्टी कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने मिठाई बांटकर हर्ष जताया है।

सुप्रीम कोर्ट का मथुरा शाही ईदगाह मस्जिद के सर्वे आदेश पर रोक लगाने से इनकार

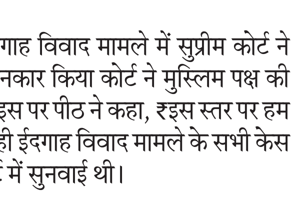

चमकता राजस्थान। दिल्ली (एजेंसी)सुप्रीम कोर्ट ने मथुरा के कृष्ण जन्मभूमि मंदिर से सटे शाही ईदगाह मस्जिद परिसर सर्वेक्षण का इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश पर शुक्रवार को रोक लगाने से इनकार कर दिया। डबल पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट के 14 दिसंबर के आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। शुक्रवार को सुप्रीम श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सर्वे के आदेश पर रोक लगाने से इनकार किया कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की याचिका खारिज करते हुए कहा कि इस पर पीठ ने कहा, ₹इस स्तर पर हम कुछ भी नहीं रोकेंगे शुक्रवार को शाही ईदगाह विवाद मामले के सभी केस की ट्रांसफर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई थी।

राजस्थान में 21वीं शाखा खोलने के लिए तैयार

आईसीआईसीआई होम फाइनेंस कंपनी ने राजस्थान में अपनी उपस्थिति बढ़ाई

चमकता राजस्थान। दौसा।

आईसीआईसीआई होम फाइनेंस कंपनी (आईसीआईसीआई एचएफसी), जो 25,000 करोड़ एयूएम वाली भारत की सबसे तेजी से बढ़ती एचएफसी में से एक है, ने अपनी विस्तार योजनाओं के अंतर्गत दौसा, राजस्थान में नई शाखा खोली है। यह राजस्थान राज्य में आईसीआईसीआई एचएफसी की 21वीं शाखा है। कुल मिलाकर देश भर में इसकी शाखाओं की संख्या 200 से अधिक है। कंपनी का उद्देश्य स्थानीय लोगों को होम लोन, होम इम्प्रूवमेंट लोन, ऑफिस प्रिमाइस लोन और प्रॉपर्टी पर लोन जैसे उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला प्रदान करना है।
कंपनी की विस्तार योजनाओं के बारे में बताते हुए, आईसीआईसीआई एचएफसी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री अनिरुद्ध कमानी ने कहा, ₹हम विकसित हो रहे आवास बाजारों वाले ऐसे राज्यों में महत्वपूर्ण रूप से अपनी उपस्थिति बढ़ा रहे हैं,

होम लोन और एलएपी (प्रॉपर्टी पर लोन) उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध

जहां के निवासी तत्परता से अपने सपनों के घरों के लिए विश्वसनीय वित्तपोषण समाधान की तलाश में हैं। हमारे व्यापक नेटवर्क और विस्तृत पहुंच के साथ, हमें उन ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने की हमारी क्षमता पर भरोसा है जो चाहते हैं कि उनका अपना सपनों का घर हो।
नई शाखाएं वेतनभोगी कर्मचारियों और स्वरोजगारी पेशेवरों सहित विभिन्न आय स्रोतों वाले ग्राहकों को होम लोन उत्पादों की विस्तृत रेंज प्रदान करेंगी। आईसीआईसीआई एचएफसी अलग-अलग तरह की संपत्तियों पर विभिन्न प्रकार के नए-नए होम लोन उत्पाद भी प्रदान करता है, ताकि ग्राहक अपनी व्यक्तिगत जरूरतों को पूरा कर सकें।
श्री कमानी ने आगे कहा, ₹हम समझते हैं कि घर खरीदना एक बड़ा निर्णय होता है, और हम अपने ग्राहकों के लिए इस प्रक्रिया को यथासंभव आसान बनाना चाहते हैं।
होम लोन के अलावा, नई शाखाएं विभिन्न प्रकार के अन्य वित्तीय उत्पाद भी प्रदान करेंगी, जैसे कि प्रॉपर्टी पर लोन और होम इम्प्रूवमेंट लोन। आईसीआईसीआई एचएफसी अपने ग्राहकों को सर्वोत्तम संभव वित्तीय समाधान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, और नई शाखा कंपनी को राजस्थान में और भी अधिक ग्राहकों तक पहुंचने में मदद करेगी।
ग्राहक आईसीआईसीआई एचएफसी दौसा शाखा, प्लॉट नंबर ए -52/1, अशोक नगर - ||| योजना, खसरा संख्या 1477, जिला दौसा, राजस्थान 303303 में जा सकते हैं। यह शाखा छुट्टी के दिनों को छोड़कर हर महीने सुबह 9:30 बजे से शाम 05.30 बजे तक खुली रहेगी और हर महीने के पहले और तीसरे शनिवार को भी इसी कार्य समय में खुली रहेगी।

जयपुर ज्वैलरी शो 2023 अपने 21वें वर्ष में

(22 दिसंबर से 25 दिसंबर)

चमकता राजस्थान। जयपुर

देश का नंबर वन बी2बी एवं बी2सी शो - 'जयपुर ज्वलैरी शो' का आयोजन 'एमराल्ड... योर स्टोन योर स्टोरी' थीम के साथ जयपुर के सीतापुरा स्थित नोवोटेल जयपुर कन्वेंशन सेंटर (जो पहले जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर (जेईसीसी) था) में 22 से 25 दिसंबर 2023 को होने जा रहा है। जेजेएस दिसंबर शो के रूप में विश्वभर में अपनी खास पहचान बना चुका है, जिसमें शीर्ष जवाहरात कारोबारी अपनी नयी डिजायन और बेहतरीन कारीगरी को प्रदर्शित करते हैं और देश-विदेश के सालाना कलैण्डर में जेजेएस को स्थान दिया जाता है।

जेजेएस चेयरमैन, श्री विमल चंद सुराणा ने कहा कि जेजेएस अपनी पूरी भव्यता के साथ दिसंबर में आयोजित किया जा रहा है। शो को सफल बनाने के लिए जेजेएस टीम पूरे जोश और मेहनत के साथ कार्य में जुटी हुई है। 'द दिसंबर शो' के लिए इस वर्ष एग्जीबिटर्स में उत्सुकता देखने को मिल रही है।

● जेजेएस पृष्ठभूमि

जेजेएस चेयरमैन, श्री विमल चंद सुराणा ने कहा कि 2003 में एंटरटेनमेंट पैराडाइज (ईपी) में 67 स्टालों के साथ हुई शुरूआत में काफी उत्साहजनक प्रतिक्रिया, संवाद और उत्सुकता देखने को मिली थी। वहीं 2004 में लंबी छलांग देखेने को मिली जहां जेजेएस में 189 बूथ लगाए गए। उसके बाद से कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। 2005 में, वेन्यू को राजमहल पैलेस में स्थानांतरित कर दिया गया था, जिसमें 276 स्टॉल थे। इस जगह ने प्रदर्शकों, अन्य प्रतिभागियों और आगंतुकों को अधिक स्पेस और सुविधाएं प्रदान की। 2006 में, बूथों में 308 की वृद्धि देखी गई; 2007 में 354; 2008 में 357, 2009 में 372 बूथ; 2010 में 413 बूथ; 2011 में 451; 2012 में 464; 2013 में 456; 2014 में 552 बूथ; 2015 में 730 बूथ, 2017 में 800 से अधिक बूथ, 2018 और 2019 में 810 बूथ्स, 2021 में 800 बूथ्स और 2022 में 902 बूथ्स थे। विक्रेताओं और खरीदारों के लिए उत्तम अनुभव बनाने के लिए, जेजेएस अपने 21वें वर्ष में 1100 से ज्यादा बूथ्स की मेजबानी करने जा रहा है। यह ब्रांड जेजेएस और 8 वर्ष पहले वेन्यू परिवर्तित करके जेईसीसी में आयोजन करने के कारण यह संभव हो पाया है। इसके कारण से बूथों की संख्या में महत्वपूर्ण वृद्धि देखी गई है।

● मुख्य अतिथि एवं समारोह का उद्घाटन

जेजेएस सचिव श्री राजीव जैन के अनुसार गत पिछले वर्षों से जेजेएस के मुख्य अतिथि रत्न एवं आभूषण क्षेत्र के विशिष्ट शख्सियत होते हैं। इस वर्ष भी नोवोटेल जयपुर कन्वेंशन सेंटर में शुक्रवार 22 दिसम्बर को प्रातः 11 बजे जेजेएस का विधिवत उद्घाटन समारोह आयोजित होगा।

● 1100 से अधिक बूथ्स होंगे

जेजेएस सचिव राजीव जैन ने बताया कि वर्ष 2003 में रश्मिकांत दुर्लभजी द्वारा शहर के एंटरटेनमेंट पैराडाइज में मात्र 67 स्टॉल्स के साथ जेजेएस की शुरूआत की गई थी। जेजेएस वर्ष 2023 में नोवोटेल जयपुर कन्वेंशन सेंटर में 1100 से ज्यादा बूथ्स होंगे। इनमें से 318 बूथ्स जेमस्टोन्स की होंगी, 660 बूथ्स पर ज्वैलरी प्रदर्शित की जायेंगी जबकि 13 पर कॉस्ट्यूम एवं सिल्वर आर्टिकल्स प्रदर्शित होंगे। इसके अतिरिक्त, अन्य बूथ्स अलाईड मशीनरी और पब्लिकेशंस के होंगे।

राजीव जैन ने कहा कि जेजेएस में इस वर्ष भी ज्वैलरी सैक्शन में लगभग 67 प्रतिशत डिजाइनर बूथ्स हैं, जो जेजेएस को न केवल खूबसूरत बनाएंगे...बल्कि विजिटर्स को नयेपन का एहसास होगा।

● पुराने और नए एग्जीबिटर्स की भागीदारी

राजीव जैन के अनुसार जेजेएस के गत संस्करण की भांति एरिया में समानता होगी। जेजेएस में ना केवल पुराने एग्जीबिटर्स लगातार जुड़े हुए हैं, बल्कि नए एग्जीबिटर्स भी जयपुर के इस ब्रान्ड में भाग लेने में गहरी रुचि दिखा रहे हैं। जेजेएस-2023 में नए एक्जीबीटर्स के साथ- साथ ही कई राष्ट्रीय ब्रांड भी हिस्सा लेंगे। इस बार जेजेएस में 8,000 से अधिक ट्रेड विजिटर्स और लगभग 50,000 घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय विजिटर्स शामिल होंगे।

● अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी:

जेजेएस में 6 अंतर्राष्ट्रीय एग्जीबिटर्स भाग लेंगे- 3 हांगकांग से, 2 बैंकॉक से और 1 श्रीलंका से। जेजेएस-2023 में कई अंतरराष्ट्रीय विजिटर्स के भी आने की उम्मीद है।

● पिंक क्लब

जेजेएस सचिव, श्री राजीव जैन से बताया कि पिछले वर्ष, जेजेएस 2022 में पिंक सिटी के नाम पर नया एक्सक्लूसिव बी2बी ट्रेडर्स पवेलियन 'पिंक क्लब' जोड़ा गया था, जो कि जेजेएस में मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा था। इस वर्ष, जेजेएस 2023 में पिंक क्लब नए स्थान पर होगा और यह ज्यादा स्पेस के साथ हॉल 2 का हिस्सा होगा। पिंक क्लब में 80 प्री-फैब्रिकेटेड बूथ्स होंगे और केवल बी2बी ग्राहक ही इस पवेलियन में जा सकते हैं। इस पवेलियन में एक विशेष लाउंज और कॉम्पलीमेंट्री चाय/कॉफी और मुफ्त वाई-फाई भी होगा।

● नेटवर्किंग डिनर

श्री राजीव जैन ने यह भी बताया कि जेजेएस 2023 की एक और रोमांचक विशेषता 23 दिसंबर को शानदार नेटवर्किंग ईवनिंग का आयोजन होगी। यह शाम प्रदर्शकों को शीर्ष रीटेलर्स और जेजेएस के खरीदारों के साथ डिनर और लाइव बैंड प्रस्तुति का आनंद लेते हुए बातचीत करने का अवसर और मंच प्रदान करती है।

● द दिसंबर शो

जेजेएस प्रवक्ता, श्री अजय काला के अनुसार 'दिसम्बर शो' के रूप में लोकप्रिय जेजेएस में लगभग 50,000 देशी एवं विदेशी विजिटर्स के साथ यह देश का एक महत्वपूर्ण आयोजन बन चुका है। इस शो की खासियत व्यापारी व ग्राहक को एक साथ जयपुर की दक्षता व हुनर का प्रदर्शन है। देश में किसी ज्वैलरी शो में आम ग्राहक को इस भव्यता व व्यवस्थित ढंग से माल देखने को नहीं मिलता। इस दौरान आगंतुकों को रत्न और आभूषण उद्योग द्वारा पेश की गई नवीनतम और बेहतरीन ज्वैलरी और जेम्स को देखने का अवसर मिलता है। राजस्थान सरकार के पर्यटन विभाग द्वारा पर्यटकों और आगंतुकों के वार्षिक कैलेंडर में इस शो को शामिल किया गया है। अनेक टूर ऑपरेटरर्स ने इस प्रतिष्ठित शो को अपने यात्रा कार्यक्रम में शामिल किया है, जिससे विदेशी और भारतीय पर्यटकों को जेजेएस में विजिट करने के विशेष प्लान को सरल बनाते हैं।

● मीडिया ब्लिट्ज

श्री अजय काला ने कहा कि जयपुर को जेम एंड ज्वैलरी में एक ब्रांड बनाने के लिए - पिछले वर्षों की तरह, जेजेएस 2023 कुछ संगठित और सुनियोजित प्रचार-प्रसार करेगा। प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का चुनिंदा मेल प्रचार अभियान को अत्यधिक प्रभावी बना देगा। इसके अतिरिक्त, हाईवे होर्डिंग्स और एफएम रेडियो का विवेकपूर्ण उपयोग भी होगा। न केवल जयपुर में बल्कि अन्य शहरों में भी व्यापक कवरेज के साथ इस वर्ष आउटडोर प्रचार भी किया जाएगा।

उन्होंने आगे बताया कि प्रिंट मीडिया में विज्ञापनों का स्थानीय और राष्ट्रीय समाचार पत्रों; राष्ट्रीय उपभोक्ता प्रकाशन और व्यापार प्रकाशन में प्रचार होगा। रेडियो एफएम जो एक ऐसा प्रचार एजेंट बन गया है, इसमें रेडियो सिटी, एफएम तड़का, माई एफएम, रेड एफएम और रेडियो मिर्ची में प्रचार किया जाएगा। जेजेएस कैलेंडर, नोट बुक, स्लिप पैड आदि के रूप में सीधा प्रचार किया जाएगा।

● एमराल्ड प्रमोशन ग्रुप

जेजेएस वाईस चेयरमैन, श्री दिनेश खटोरिया ने बताया कि जयपुर ज्वैलरी शो अपने 21वें वर्ष में थीम 'एमराल्ड... योर स्टोन योर स्टोरी' लेकर आया है। एमरल्ड को बढ़ावा देने के लिए, 15 सदस्यों का एक समूह एमरल्ड प्रमोशन ग्रुप के रूप में बनाया गया है, जिसमें जेमफील्ड्स प्राइम एमराल्ड प्रमोशन पार्टनर है। एमराल्ड प्रमोशन के इस थीम से जुड़ी बहुत सारी गतिविधियां आयोजित हुईं। जिसमें इस वर्ष की ब्रांड एंबेसडर प्रसिद्ध मॉडल और अभिनेत्री पूजा बत्रा का मॉडल फोटोशूट शामिल था। साथ ही प्रचार के माध्यम से इस ग्रुप को लोकप्रिय बनाया गया।

● लंच एवं टी

जेजेएस वाईस चेयरमैन, श्री दिनेश खटोरिया ने बताया कि विजिटर्स एक बार फिर कॉम्पलीमेंट्री लंच में स्वादिष्ट भोजन का आनंद ले सकेंगे, जिसे वर्षों से काफी सराहा गया है। इस वर्ष यह बदलाव किया गया है, कि हॉल 1 और हॉल 2 दोनों में लंच एरिया अलग-अलग होगा। 4 कैंटीन के माध्यम से भुगतान के आधार पर चाय, कॉफी आदि की भी व्यवस्था की गई है।

● 'जेजेएस-आईजे डिजाइन अवॉर्ड्स

श्री कमल कोठारी, कोषाध्यक्ष के अनुसार जीआईए द्वारा संचालित जेजेएस-आईजे डिजाइन अवाड्र्स इस वर्ष फिर से आयोजित किए जाएंगे। इस प्रतिष्ठित आयोजन की प्रतीक्षा की जा रही है। विजेताओं का चयन ग्रैंड जूरी मीट में किया गया था। इस वर्ष जूरी पैनल में राजीव जैन - जेजेएस सचिव, वैशाली बनर्जी - प्रबंध निदेशक, प्लेटिनम गिल्ड इंटरनेशनल इंडिया, अपूर्वा देशिंगकर - वरिष्ठ निदेशक, शिक्षा एवं बाजार विकास, जीआईए इंडिया, काव्या पोटलुरी - आभूषण डिजाइनर, मैथिल राउत - आर्किटेक्ट, इंटीरियर और प्रोडक्ट डिजाइनर पार्टनरी, रेड आर्किटेक्ट्स, अनिशा जैन - सेलिब्रिटी स्टाइलिस्ट, आरूषी शर्मा - अभिनेता और ताशीन रहीमतुल्ला - संस्थापक, टेस्ट रिट्रीट्स शामिल हैं।

अब अपने 13वें वर्ष में, 'जेजेएस-आईजे डिजाइन अवाड्र्स' ने भारत और दुनिया के आभूषणों के पारखी लोगों के दिलों में एक विशेष स्थान बनाया है। साल दर साल, इस पुरस्कार ने केवल डिजाइन और रचनात्मकता में देश के सर्वश्रेष्ठ को अधिक बेहतर बनाया है और सम्मानित किया है। इस साल ज्वैलरी डिजाइनिंग में कई इंटरनेशनल एलिमेंट्स का इस्तेमाल किया गया है। इस देश में डिजाइन प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, लेकिन यह देखना हमेशा दिलचस्प होता है कि विशाल मात्रा में कैसे प्रतिभाएं पहनने योग्य, सुंदर पीस का निर्माण करती हैं।

श्री कमल कोठारी के अनुसार इस साल आईजे अवॉर्ड्स में 1000 से ज्यादा डिजाइनों शामिल हुईं। इनमें से, 133 से अधिक डिजाइनों का मूल्यांकन प्रख्यात जूरी द्वारा किया गया। 22 दिसंबर की शाम को नोवोटेल जयपुर कन्वेंशन सेंटर में एक भव्य समारोह में यह पुरस्कार बॉलीवुड फिल्म स्टार द्वारा प्रदान किए जाएंगे।

● 1000 टॉप रिटेलर्स

श्री विजय चौरड़िया के अनुसार इस वर्ष भारत के लगभग 1000 टॉप ज्वैलरी रिटेलर्स ने जेजेएस में अपनी भागीदारी की पुष्टि की है। जेजेएस के निमंत्रण पर ये रिटेलर्स प्रत्येक वर्ष शो विजिट करते हैं और शो के दौरान बी2बी बायर्स के रूप में अपने प्रोडक्ट्स की नियमित आपूर्ति के लिये सम्पर्क बनाते हैं। ताकि बायर्स का भी निरन्तर रूप से ज्वेलरी मैन्यूफैक्चर्स से सम्पर्क हो सके।

● जीजेसी के 50 से अधिक सदस्य भाग लेंगे

श्री विजय चौरड़िया के अनुसार ऑल इंडिया जेम्स एंड ज्वैलरी डॉमेस्टिक काउंसिल (जीजेसी) के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स को शो के लिए जेजेएस द्वारा आमंत्रित किया गया। जीजेसी पूरे भारत में रत्न और आभूषण के व्यापार का विकास और प्रचार के लिए नेशनल ट्रेड फेडरेशन है। देश के 50 से अधिक शीर्ष ज्वैलरी रीटेलर्स इस शानदार कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। उन्हें शो में बड़ी संख्या में बूथों से आइटम्स चुनने का अवसर भी मिलेगा। उनकी उपस्थिति प्रदर्शकों को जैम एंड ज्वैलेरी क्षेत्र से संबंधित मुद्दों पर विशेषज्ञों से चर्चा करने का अवसर भी प्रदान करेगी।

23 दिसंबर को जोनल कन्वीनर्स मीटिंग की बैठक में 50 से अधिक जीजेसी- ऑल इंडिया जेम्स एंड ज्वैलरी डोमेस्टिक काउंसिल मेम्बर्स भाग लेंगे।

● आईबीजेए के 30 से अधिक सदस्य

श्री विजय चौरड़िया ने आगे यह भी बताया कि जेजेएस में पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी आईबीजेए के सदस्यों को आमंत्रित और होस्ट किया गया है। 22 दिसंबर को आईबीजेए के सदस्यों के लिए मीटिंग आयोजित होगी।

● प्रतिष्ठित पार्टनर्स

श्री अशोक सिंघी ने बताया कि जीआईए, डीटीसी, जीजेईपीसी, डब्लूएफडीबी, सीआईबीजेओ, जीजेसी, एनजीजेसीआई, आईबीजेए, आईसीए, रियो-टिंटो, जेम्सफील्ड, जी एंड जे ट्रेड ऑर्गेनाइजेशंस, बॉडीज, एसोसिएशंस, माइनर्स, आईजीआई और एसजीएल सभी जेजेएस के प्रतिष्ठित पार्टनर्स रहे हैं। उनके कौशल और पेशेवर कामकाज ने इस मेगा इवेंट में मूल्यवर्धन किया है।

● सुरक्षा एवं इन्श्योरेंस

श्री अशोक सिंघी के अनुसार पिछले वर्षों की तरह इस वर्ष भी आयोजकों ने सुरक्षा के लिए व्यक्तिगत कैमरों के साथ-साथ जेजेएस के स्तर पर भी व्यवस्था की है। इस वर्ष सुरक्षा को और बढ़ाने के लिए कॉमन एरिया में लगभग 500 से अधिक कैमरे लगाए गए हैं। इस वर्ष भी दर्शकों के लिए बार कोडेड एंट्री सिस्टम होगा।

● बिजनेस ऑवर्स

श्री उमेश डंगायच ने जानकारी दी की यह शो बिजनेस विजिटर्स के लिए सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक खुला रहेगा। आम विजिटर्स के लिए शो का समय दोपहर 1 बजे से शाम 7 बजे तक रहेगा। आखिरी दिन यानी सोमवार, 25 दिसंबर को शो का समय शाम 6.30 बजे तक रहेगा। (एग्जीबिशन हॉल में प्रवेश समापन समय से 30 मिनट पहले बंद कर दिया जाएगा)

● नं. 1 बी2बी और बी2सी शो

श्री जगदीश ताम्बी के अनुसार जेम्स एंड ज्वैलरी शो पूरी दुनिया में आयोजित किए जाते हैं। हालाँकि ये भारत में एक्सक्लूसिव इ2इ इंटरनेशनल शो या कंज्यूमर शो होते हैं। इसके अतिरिक्त, जेजेएस एक अनूठा शो है जिसने बी2बी और बी2सी दोनों शो पर ध्यान केंद्रित किया है। ज्वैलर्स और उपभोक्ताओं को यह दुर्लभ प्लेटफॉर्म 360 डिग्री फीडबैक के लिए उपयुक्त लगता है। जबकि ज्वैलर्स रंगीन रत्न और हीरे दोनों की एक विस्तृत विविधता के सामान्य प्रदर्शन में आते हैं - मेटल्स, बीड्स और कार्विंग समान रूप से लोकप्रिय हैं।

वहीं, बी2सी - उपभोक्ताओं को 1100 से अधिक बूथों पर इतने आसान प्रारूप में प्रोडक्ट प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त होगा। यहां वे आसानी से कई विक्रेताओं से चुन सकते हैं और खरीद सकते हैं। वे अपने रीटेलर्स और दोस्तों के साथ पीस का मिलान कर उसे अंतिम रूप दे सकते हैं - जो उनके लिए एक अद्भुत अनुभव बनाता है।

● जेजेएस में सोशल मीडिया

महावीर पी शर्मा ने बताया कि जयपुर ज्वैलरी शो की एक समर्पित सोशल मीडिया टीम है। इस टीम द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से संभावित कंज्यूमर्स तक कम लागत में विस्तृत जानकारी उपलब्ध करवायेंगी। कंज्यूमर्स से जुड़ाव इस रणनीति की प्रमुख विशेषता है, जहां एग्जीबिटर्स के साथ सीधे वार्ता करने की ग्राहकों की नयी भूमिका देखने को मिलेगी। माहौल में विश्वास एवं पारदर्शिता के चलते बिज़नेस कन्वर्जन की दर में इज़ाफा होगा।

टीम का मिशन मात्र फेसबुक पर अधिकतम लाइक्स प्राप्त करना और ट्विटर एवं इंस्टाग्राम पर फॉलोअर्स की संख्या को बढ़ाना ही नहीं है, बल्कि टीम का ध्येय यह जानकारी देना भी है, जो एग्जीबिटर्स द्वारा किसी प्रोडक्ट की दिलचस्पी में निहित होती है। सोशल मीडिया की बढती लोकप्रियता के चलते इसके माध्यम से ग्राहकों को एक समृद्ध और आकर्षक अनुभव मिलेगा।

सोशल मीडिया समय की मांग है, जहां प्रदर्शकों को खुद को व्यवसाय में बेहतर निर्णय लेने में मदद मिलेगी। इसके अलावा, उपभोक्ताओं को एक समृद्ध और आकर्षक अनुभव होगा।

● जयपुर ज्वैलरी डिजाइन फेस्टिवल (जेजेडीएफ)

डॉ. नवल अग्रवाल ने बताया कि डिजाइनरों को प्रोत्साहित करने और बढ़ावा देने के लिए, जयपुर ज्वैलरी शो इस वर्ष छठी बार जयपुर ज्वैलरी डिजाइन फेस्टिवल (जेजेडीएफ) की मेजबानी कर रहा है, जिसका थीम 'गो टैक एंड इट्स इफैक्ट ऑन ज्वैलरी इंडस्ट्री' है।

लगभग 500 वर्गफीट क्षेत्र में फैले इस फेस्टिवल में प्रख्यात ज्वैलरी डिजाइनर ब्रांड्स द्वारा प्रोडक्ट प्रदर्शन, कलात्मक रूप से जेमस्टोन प्रदर्शित करने के लिए एक आर्ट गैलरी, सेमिनार्स, पैनल डिस्कशन, ज्वैलरी का वर्चूअल डिस्प्ले, आदि सहित अनेक प्रकार की गतिविधियाँ होंगी। फेस्टिवल का स्वरूप देने के लिए यहां लाइब्रेरी, कैफेटेरिया और लाइव म्यूजिक भी होगा। इस साल जेजेडीएफ 8 से 10 प्रमुख डिजाइनिंग संस्थान के छात्रों को मंच देगा, जहां ये नवोदित डिजाइनर अपनी रचना प्रदर्शित कर सकेंगे। यह जेजेडीएफ 2023 प्रमुख डिजाइन संस्थानों से उभरते डिजाइनरों की भागीदारी के साथ-साथ कारीगरों और डिजाइनरों के माध्यम से जयपुर की रचनात्मकता का प्रदर्शन करेगा।

● ज्वैलरी में नए ट्रैंड्स पर फोकस

श्री मेहुल दुर्लभजी ने बताया कि जयपुर ज्वैलरी शो की एक विशेष खासियत नवीनतम डिजाइनों, ज्वैलरी की नई सेटिंग्स पर ध्यान केंद्रित करना है। लोगों को पारंपरिक भारी सोने के गहनों से लेकर हल्के वजन के आभूषणों के नये फैशन देखने को मिलते हैं। जो लोग फैशन एक्सेसरीज और स्टोन जड़ित ज्वैलरी की तलाश में हैं, वे निराश नहीं होंगे। पीले और सफेद सोने के गहनों की काफी मांग रहने की उम्मीद है। फैंसी कट रत्नों के साथ पारंपरिक और प्राच्य लुक वाले आभूषण होंगे। कुंदन मीना ज्वैलरी के इस साल भी आकर्षण बने रहने की उम्मीद है। हल्के वजन और कलर स्टोन्स के अभिनव प्रयोग से आभूषणों के कई किफायती आईटम्स देखने को मिलेंगे।

● जेजेएस- एक सम्पूर्ण शो

श्री नवरत्न कोठारी के अनुसार इस वर्ष भी, जेजेएस हीरे, रंगीन स्टोन्स, कीमती धातुएं - चांदी, सोना, बेस-मेटर कार्विंग और बीड्स के साथ एक सम्पूर्ण शो होगा। इसके अवाला, शो में ज्वैलर्स और जेमस्टोन्स डीलरों, ज्वैलरी संस्थानों, प्रकाशनों को भी अवसर मिलेगा। ज्वैलरी और जेमस्टोन के लिए अलग-अलग सेक्शन होंगे। यह वर्गीकरण ग्राहकों के लिए उनकी पसंद का उत्पाद ढूंढने के लिए आसान बनाएगा।

● बेस्ट बूथ ट्रॉफी

श्री सुधीर कासलीवाल ने बताया कि जेजेएस में इस वर्ष एक और पुरस्कार श्रेणी को जोड़ा गया है, जिसके तहत 9 वर्ग मीटर की प्रथम और द्वितीय सर्वोत्तम बूथों को पुरस्कृत किया जाएगा।

● विजिटर्स के लिए पार्किंग, शटल और मेडिकल सुविधा

श्री मनुज गोयल ने बताया कि शो में आने वाले विजिटर्स की सुविधाओं एवं सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा गया है। उन्होंने बताया कि गत वर्षों की तरह इस वर्ष भी विजिटर्स एवं एग्जीबिटर्स के शो में आवागमन के लिए निशुल्क शटल सुविधा की व्यवस्था की गई है।

कर्नाटक में बीजेपी को लगेगा झटका

3 विधायक कांग्रेस के डिनर में हुए शामिल, मांगा जवाब

बेंगलुरु/एजेंसी।

कुछ दिन पहले कर्नाटक के पूर्व सीएम एचडी कुमारस्वामी ने दावा किया था कि लोकसभा चुनाव 2024 के बाद कर्नाटक कांग्रेस के कई बड़े मंत्री अपने साथ 50-60 विधायकों को लेकर बीजेपी का दामन थामेंगे और यहां की सत्ता बदल जाएगी। उनके बयान के बाद कर्नाटक की राजनीति में भूचाल आ गया था। सबको लगने लगा था कि क्या जिस तरह महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गोवा में बीजेपी ने सत्ता बदली थी क्या कर्नाटक में भी वहीं होने वाला है? क्या लोकसभा चुनाव के बाद कर्नाटक में कोई उलटफेर की संभावना है? इसी बीच अब खबर आ रही है कि कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी भाजपा को झटका देने वाली है।

क्या है मामला

» कांग्रेस द्वारा आयोजित एक डिनर पार्टी में बीजेपी के 3 विधायकों का जाना उनके लिए बड़ी मुसीबत बन सकता है। दरअसल, कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष विजयेंद्र ने बेलगावी में विधायक दल की बैठक के बाद कांग्रेस की डिनर पार्टी में अपने 3 विधायकों के भाग लेने को गंभीर मामला बताया है। उन्होंने कहा मुझे सुबह इस बारे में सूचना मिली। मैं उनसे आज ही बात करूंगा, मैं उनसे पूछूंगा कि उनके इरादे क्या हैं। यह गंभीर विषय है, मैं आज ही उनसे चर्चा करूंगा। वहीं, इस मामले पर उप मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता डीके शिवकुमार ने कहा कि बीजेपी विधायक सिर्फ डिनर पार्टी में शामिल हुए थे और उन्होंने कांग्रेस के किसी मीटिंग में हिस्सा नहीं लिया था।

क्या बोले डीके शिवकुमार

» कर्नाटक बीजेपी चीफ द्वारा 3 विधायकों से स्पष्टीकरण मांगने के मसले पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने कहा कि बीजेपी विधायकों ने किसी बैठक में भाग नहीं लिया, बल्कि उनके बुलाने पर बुधवार रात को सिर्फ डिनर पार्टी में भाग लिया था। शिवकुमार ने कहा, मैंने अलग से एक रात्रि भोज का आयोजन किया था, जिसके लिए अन्य दलों के नेताओं को भी न्योता दिया गया था, इसलिए सोमशेखर, हेब्बार, विश्वनाथ और अन्य समेत करीब 10 लोग आए थे। वे कांग्रेस विधायक दल की बैठक में क्यों आएंगे? वे हमारी पार्टी के विधायक नहीं हैं। वे विधायक दल की बैठक में नहीं आए थे, वे केवल डिनर के लिए आए थे।

न्यूज अपडेट

अस्पताल में भीषण आग, सीढ़ी लगाकर मरीजों को निकाला गया बाहर

विशाखापत्तनम/एजेंसी। विशाखापत्तनम के एक अस्पताल में गुरुवार को भीषण आग लग गई।आग लगने के कारण अस्पताल में अफरातफरी मच गई। आग अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर में लगी और उसके बाद कुछ स्टाफ सदस्यों और और यहां तक की कुछ मरीजों को भी प्रवेश द्वार पर सीढ़ी लगाकर नीचे लाया गया। आग की सूचना मिलने के बाद दमकलकर्मियों और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंची। फिलहाल किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं है।पुलिस कमिश्नर ने कहा कि सभी मरीजों को सफलतापूर्वक निकाल लिया गया है।

विशाखापत्तनम के जगदम्बा जंक्शन स्थित इंडस अस्पताल में आग लग गई। घटनास्थल पर इमारत से काला धुंआ निकलता नजर आ रहा है। कम से कम तीन मंजिलों तक आग फैल गई है।पैरामेडिक्स की एक टीम को एक मरीज को स्ट्रेचर पर लेकर दौड़ते भी देखा जा सकता है। विशाखापत्तनम के पुलिस कमिश्नर ए रविशंकर ने कहा कि आग सुबह 11 बजे के आसपास एक ऑपरेशन थिएटर में लगी। उन्होंने कहा, 'सभी 57 मरीजों को अस्पताल से बाहर निकाल लिया

महिला वोटरों के पास होगी चुनावी जीत की कुंजी, 2024 में 49 फीसद होगी हिस्सेदारी

नयी दिल्ली/एजेंसी

सत्ता की कुंजी महिला वोटरों के पास है। पिछले एक दशक में महिला वोटरों की संख्या लगातार बढ़ रही है और इसका असर विधानसभा चुनावों में साफ तौर पर दिखने लगा है। महिला वोटरों की बढ़ती संख्या आने वाले दिनों में और तेज होने वाली है। वर्ष 2024 के आम चुनाव तक देश के कुल वोटरों की संख्या में 49 फीसद महिलाओं की होगी। वर्ष 2049 तक तक तो देश के कुल वोटरों में महिलाओं की संख्या 55 फीसद होगी और 45 फीसद पुरूष होंगे। यह बात गुरुवार (14 दिसंबर) को एसबीआई की तरफ से जारी एक विशेष रिपोर्ट में कही गई है। रिपोर्ट ने आंकड़ों के जरिए परोक्ष तौर पर यह भी बताया है कि हाल ही में संपन्न मध्य प्रदेश विधान सभा चुनाव में पूर्व पीएम शिवराज सिंह चौहान की तरफ से घोषित लाड़ली बहना योजना की वजह से यह आकलन किया गया है कि भाजपा को 30-35 विधान सभा सीटों पर जीत मिली है।

रिपोर्ट ने इस बात की तरफ भी ध्यान आकर्षित करवाया है कि कैस देश की इकोनमी में महिलाओं के योगदान को हमेशा कमतर करके आंका गया है। जबकि वैसी महिलाएं जिनको कोई भुगतान नहीं किया जाता, उनका देश के कुल जीडीपी में योगदान 7.5 फीसद के बराबर है। हालांकि अब यह सामान्य तौर पर देखा जा रहा है कि महिला सशक्तिकरण पर जोर है और महिलाओं के लिए कई तरह की स्कीमें लाने की भी होड़ मची हुई है। एक वजह यह भी है कि वोटिंग पैटर्न से साफ हो रहा है कि वोट देने वालों में पुरूषों से ज्यादा महिलाओं की संख्या बढ़ रही है। सरकार की हर स्कीम में महिलाओं की संख्या भी बढ़ती जा रही है। वर्ष 2014 के चुनाव में कुल वोटरों की संख्या 55 करोड़ थी जिसमें महिला वोटरों 26 करोड़ थी। वर्ष 2019 में कुल वोटर हो गये 62 करोड़ जिसमें महिलाएं थी 30 करोड़ ।इस रफ्तार से वर्ष 2024 में कुल वोटर होंगे 68 करोड़ और इनमें महिलाएं होंगी 33 करोड़। वर्ष 2029 में कुल वोटर होंगे 73 करोड़ जिसमें 37 करोड़ (50 फीसद से ज्यादा) महिलाएं होंगी।

मनोहरपुर थाने करी प्रभावी कार्यवाही

पुलिस थाना गैगल के हार्डकोर हिस्ट्रीशीटर व अवैध मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार

विभिन्न पुलिस थानों में कुल 43 प्रकरण में है पंजीबद्ध,5 मामलों में वांछित, तीन माह से था फरारी पर

चमकता राजस्थान

मनोहरपुर (खलील कुरैशी) । पुलिस महानिरीक्षक जयपुर रेंज जयपुर उमेशचंद्र दत्ता (आईपीएस) कव जिला पुलिस अधीक्षक शांतनु कुमार सिंह (आईपीएस) जिला जयपुर ग्रामीण के द्वारा वांछित / फरार अपराधियो की धरपकड हेतु अभियान चलाकर अभियान के तहत समस्त सैक्टर प्रभारियों को निर्देश दिये। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरिप्रसाद (आरपीएस) एवं वृताधिकारी वृत शाहपुरा उमेश निठारवाल (आरपीएस) द्वारा निर्देशों की पालना में रविन्द्र कुमार उ.नि थानाधिकारी, मनोहरपुर द्वारा विशेष टीम का गठन किया जाकर आज निम्न कार्यवाही की गई।

घटनाक्रम व की गई कार्यवाही दिनांक 4.9.2023 को थाना शाहपुरा द्वारा एनएच 48 जयपुर तिराहा पर पर नाकाबंदी की जाकर वाहनों को चौक किया जा रहा था दौराने चौकिंग वरना कार नं. ढइ-13-इछ-1600 के वाहन चालक को रूकने का ईशारा किया गया तो वाहन चालक द्वारा गाडी नहीं रोककर गाडी को भगाने लगा, जिस कारण गाडी रोड पर लगे डिवाईडर से टकरा गयी और गाडी क्षतिग्रस्त हो गयी, जिस पर क्षतिग्रस्त वाहन को रोड के साईड में किया जाकर वाहन को चौक किया गया तो वाहन में काले रंग के प्लास्टिक के 7 कट्टो में कुल 141.390 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा पोस्त छिलका बरा हुआ था जिसके परिवहन के सम्बन्ध मे वाहन चालक के पास कोई लाईसेन्स नही होने पर थाना शाहपुरा पर धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट मे प्रकरण दर्ज किया जाकर थाना मनोहरपुर द्वारा अनुसंधान शुरु किया गया । पुर्व मे गिरफ्तार शुदा मुल्जिमान से थाना मनोहरपुर पर अवैध मादक पदार्थ की तस्करी में लिप्त गिरोह के सम्बन्ध मे गहनता से अनुसंधान किया गया। मादक पदार्थ उपलब्ध कराने वाला मुल्जिम घटना के बाद से ही फरार हो गया तथा अलग अलग स्थानो पर छुपकर फरारी काटने लगा जिसकी गिरफ्तारी के लिये आसुचना एकत्रित की गई थाने से विशेष टीमों का गठन किया गया जाकर काफी प्रयासों के बाद 3 माह से फरार पुलिस थाना गैगल का हार्डकोर व हिस्ट्रीशीटर मुल्जिम नन्द लाल उर्फ नन्दा पुत्र शच्योदान जाति गुर्जर उम्र 37 साल निवासी हांसियावास थाना गैगल जिला अजमेर को गिरफ्तार किया गया। मुल्जिम के विरुद्ध विभिन्न थानों में कुल 43 प्रकरण पंजिबद्ध है तथा 5 प्रकरणो मे वान्टेड चल रहा है जिससे अनुसंधान जारी है । डोडा पोस्त सप्लाई करने मे संलिप्त अन्य आरोपीयान का खुलासा होने की सम्भावना है ।

गिरफ्तार मुल्जिम का विवरण

» नन्द लाल उर्फ नन्दा पुत्र शच्योदान जाति गुर्जर उम्र 37 साल निवासी हांसियावास थाना गैगल जिला अजमेर

पुर्व मे गिरफ्तार मुल्जिम

» 1. गुरदीप सिंह उर्फ गुरप्रीत सिंह पुत्र अजायबसिंह जाति सांसी उम्र 28 साल निवासी बागडिया थाना अमरगढ जिला मलेर कोटला, पंजाब 2. बलजीत सिंह उर्फ बब्बूसिंह पुत्र दर्शन सिंह जाति सांसी उम्र 28 साल निवासी बागडिया थाना अमरगढ जिला मलेर कोटला, पंजाब 3. विश्राम चौधरी उर्फ विक्की पुत्र बलभा चौधरी जाति जाट उम्र 25 साल निवासी वार्ड नम्बर 09 काली डूंगरी थाना गांधीनगर किशनगढ जिला अजमेर

मनोहरपुर पुलिस थाना टीम के सदस्य

» 1 रविन्द्र कुमार उनि थानाधिकारी पुलिस थाना मनोहरपुर 2. राजेन्द्र कुमार कानि न 1445 पुलिस थाना मनोहरपुर 3. संदीप कानि न 1940 पुलिस थाना मनोहरपुर 4. लेखराम कानि न 1740 पुलिस थाना मनोहरपुर

भूमि का चुनाव

अच्छे जलधारण करने वाली गहरी काली से मध्यम काली भूमि इसके लिये उपयुक्त है। खेत की तैयारी में नमी को प्राथमिकता देनी होगी दो फसली क्षेत्र में वैसे तो इस वर्ष अच्छी नमी की उम्मीद है फिर भी परखने के बाद हल्का पलेवा देकर बतर आने पर खेत बनायें ताकि अच्छा अंकुरण हो सके।

समय

सिंचित गेहूं को कम से कम 90 दिन की ठंडक चाहिए। इस कारण बुआई में विलम्ब करके ठंडे दिवस में कटौती नहीं करें। अच्छे अंकुरण हेतु 20 से 25 डिग्री सेल्सियस तापमान उपयुक्त है जो 15 से 30 नवम्बर के मध्य प्राय: रहता ही है।

उपयुक्त जातियां

जी– डब्ल्यू 322, जी.डब्ल्यू 273, डी.एल. 803–3 (कंचन), जी डब्ल्यू 366, एच.आई 1476 (स्वर्णा), एम.पी.ओ.1106 (सुधा), जे डब्ल्यू 1142 (स्नेहिल)एवं एच.आई 1544।

बीज दर

प्राय: ऐसा देखा गया है कि गेहूं की बुआई में कृषक भाई दोगुना कहीं–कहीं तो तिगुना बीज का उपयोग इस भ्रम में कर देते हैं कि अधिक पौध अधिक उपज ऐसा करके वे स्वयं का और प्रदेश/देश का नुकसान करते हैं। अधिक पौध संख्या और प्रति इकाई सिफारिश की गई पौध संख्या में फर्क होता है। अतएव सिर्फ 100 किलो बीज/हेक्टर डालें और सघन पौध संख्या करके भूमि में पोषक तत्वों के संघर्ष की स्थिति का निर्माण नहीं करें। स्वस्थ पौधे, कंसे और अधिक उत्पादन का सीधा गणित याद रखें।

बीजोपचार

बीजोपचार करके अपने बीज को सुरक्षा कवच चढ़ाना कदापि नहीं भूलें। बीजोपचार से बीज के ऊपरी/भीतरी भाग की अनदेखी कवक (फफूंद) नष्ट हो जाती है। और उपचारित बीज भूमि में छुपे बीमारियों की कवकों से भी जूझ कर सफलता पूर्वक ऊपर आने में सक्षम हो जाता है। बीज का उपचार 2 ग्राम थाईरम अथवा 2 ग्राम वीटावैक्स/किलो बीज के हिसाब से करें।

बुआई का तरीका

कतार से कतार दूरी 20–23 से.मी. से कम नहीं होना चाहिए तथा सीडड्रिल का उपयोग किया जाना चाहिए। बीज 4 से.मी. से अधिक गहरा नहीं जाये क्योंकि विकसित जातियों की गरदन ही छोटी होती है।

पोषक तत्व प्रबंधन

सिंचित खेती में उर्वरकों का उपयोग निश्चित तौर पर लाभ देता है। परंतु जितना महत्वपूर्ण उर्वरक के उपयोग का है उससे कहीं अधिक उर्वरकों के भूमि में स्थापन का होता है। कभी भी भूल कर उर्वरक/बीज मिश्रण नहीं करें। विशेषकर राखड खाद (सुपर फास्फेट) ना ही उसे फेंके और ना ही उसे बीज के साथ मिलायें। बल्कि सभी उर्वरकों को भूमि में बीज के नीचे गिरायें यूरिया 260 किलो, सिंगल सुपर फास्फेट 250 किलो तथा पोटाश 67 किलो/हेक्टर की दर से दिया जाये। केवल यूरिया देकर संतोष नहीं करें कि उर्वरक दे दिया संतुलित उर्वरक देकर अच्छा उत्पादन प्राप्त करें। तीन वर्ष में एक बार 25 किलो जिंक सल्फेट डालकर जिंक की कमी को रोकें।

संचित खेती में उर्वरकों का उपयोग निश्चित तौर पर लाभ देता है। परंतु जितना महत्वपूर्ण उर्वरक के उपयोग का है उससे कहीं अधिक उर्वरकों के भूमि में स्थापन का होता है।

सिंचित गेहूं

उन्नत तकनीक से सींचें

सिंचाई

गेहूं फसल में सिंचाई कब और कितनी दें यह ज्यादा महत्वपूर्ण है। पहली सिंचाई बुआई के 21वे दिन जब किरीट जड़ अवस्था में फसल रहती है पर दी जाये तो अधिक कंसे का विकास होगा और उत्पादन बढ़ सकेगा। दूसरी सिंचाई 40-50 दिन बाद कल्ले निकलते समय, तीसरी सिंचाई 60-65 दिनों बाद जब गभोट अवस्था पर गेहूं हो, चौथी सिंचाई 80-85 दिनों बाद फूल अवस्था तथा पांचवी सिंचाई 100-105 दिनों बाद दी जाये।

पौध संरक्षण द्य खेतों में माह जनवरी के बाद चूहों की क्रियाशीलता पर ध्यान दें।
द्य शरदकालीन वर्षा के बाद गेरूआ तथा झुलसा रोगों की रोकथाम के उपाय करें।
द्य पाले से बचाव हेतु खेत में धुआं करते रहें।

सूखे खेतों से लें

गेहूं की भरपूर फसल

खुले खेत की तैयारीः इंदौर, ग्वालियर क्षेत्र, सागर, छिंदवाड़ा बालाघाट और मंडला जिले में खेत को खरीफ में खुला खाली रखते हैं। मई-जून में किसान खेत को देशी हल (बखर) से जुताई कर देते हैं। इसके बाद जून से सितम्बर तक जब वर्षा नहीं होती है 3 से 4 बार बरवर (जुताई) किसान कर देते हैं। अंतिम बखर अक्टूबर के प्रथम सप्ताह में किया जाता है। इसके बाद गेहूं की बुआई पोरा, नारी या बांस की नली देशी हल के पीछे लगाकर की जाती है।

खेत की तैयारी

असिंचित दशा में गेहूं की खेती लगभग हर गेहूं उगाने वाले राज्य में की जाती है, लेकिन गेंहू के खेत की तैयारी प्रचलित पद्धतियां हर एक राज्य में भूमि की सतह, मिट्टी की किस्म तथा जलवायु के अनुसार भिन्न-भिन्न है। मध्यप्रदेश में ज्यादातर गेहूं असिंचित दशा में उगाया जाता है। खेत की तैयारी तीन विधियों से की जाती है-

खुले खेत की तैयारी

इंदौर, ग्वालियर क्षेत्र, सागर, छिंदवाड़ा बालाघाट और मंडला जिले में खेत को खरीफ में खुला खाली रखते हैं। मई-जून में किसान खेत को देशी हल (बखर) से जुताई कर देते हैं। इसके बाद जून से सितम्बर तक जब वर्षा नहीं होती है 3 से 4 बार बरवर (जुताई) किसान कर देते हैं। अंतिम बखर अक्टूबर के प्रथम सप्ताह में किया जाता है। इसके बाद गेहूं की बुआई पोरा, नारी या बांस की नली देशी हल के पीछे लगाकर की जाती है।

नमी की सुरक्षा

असिंचित गेंहू की खेती के लिए मानसूनी वर्षा का पूरा-पूरा उपयोग करना जरूरी है। यदि संभव हो तो मानसून आने से पहले या बाद में 75 सेमी लगभग गहरी जुताई कर दें। इसके बाद खेत के चारों तरफ ऊंची मेड़ें बांध दें ताकि वर्षा का पानी खेत में रूका रह सके। इससे वर्षा का पानी भूमि में अच्छी तरह प्रवेश कर जाता है। इस तरह भूमि में काफी जीवांश मिल जाता है, जीवाणुओं (गहरी जुताई से भूमि में पत्तियां, जड़े तथा हरे पौधों के डंठल भूमि के अंदर चले जाते हैं) का कार्य बढ़ जाता है, मिट्टी की बनावट सुधर जाती है तथा भूमि में नमी को बचाकर रखने की क्षमता भी बढ़ जाती है।

जातियां

मध्यप्रदेश के लिए असिंचित एवं अर्धसिंचित अवस्था हेतु पिसी किस्म के गेहूं की श्रेणी में प्रचलित सी-306 सुजाता, नर्मदा-4, नर्मदा-112 प्रचलित हैं। कठिया गेहूं के लिए ए 9-30-1 और मेघदूत प्रचलित हैं। इसके अतिरिक्त कुछ नई किस्मों का विकास हुआ है जिसमें जेडब्ल्यू-17 और जेडब्ल्यू-3173, एचडब्ल्यू-2004 हैं। नवीनतम पिसी किस्म एचआई-1500, एमपी-3020 और कठिया किस्म एचडी-4672 (अमर) व एचआई-8627 को भी बोने की सिफारिश की गई है। राजस्थान के लिए असिंचित दशा में ए-9-30-1, डी-134 (दक्षिण राजस्थान), खरचिया 65 (पश्चिमी राजस्थान की ऊसर भूमि), आरएस 31-1 (पश्चिम राजस्थान), सी-306, मुक्ता, जेयू-12, सुजाता (दक्षिण-पूर्वी राजस्थान), सी-306, आईडब्ल्यूपी-72, डब्ल्यूएल-410, डब्ल्यूएल-2265, डब्ल्यूएच-331, व पीबीडब्ल्यू-65 (पूर्वी राजस्थान) को बोने की सिफारिश की गई है।

बुआई का समय

असिंचित खेती में बुआई के समय का ध्यान रखना जरूरी हैं। बुआई देर से करने पर नमी कम हो जाने का डर रहता है। तथा बीज कम जमता है। बुआई 20 से 25 अक्टूबर तक कर देनी चाहिए, क्योंकि उस समय भूमि में नमी अच्छी होती है।

मात्रा और बुआई का तरीका

बीज की मात्रा, बीज के आकार के अनुसार 100 से 125 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के लिए काफी होता है। बीज को 4-5 सेमी की गहराई में बोयें और कतार से कतार की दूरी 25 सेमी रखें। कतार से कतार की दूरी ज्यादा होने पर पौधों में पानी के लिए प्रतिस्पर्धा कम हो जाती है। तथा बढ़ने के लिए सभी को उचित मात्राा में नमी मिलती रहती है। बुआई करने से पहले जड़ और पद गलन आदि बीमारियों को रोकने के लिए थायरम नामक फफूंदनाशक दवा से बीजोपचार कर बीज बोना चाहिए। 100 किलोग्राम बीज के लिए 250 ग्राम थायरम उपयोग करना चाहिए।

उर्वरक प्रयोग

सस्य परीक्षणों के आधार पर यह निष्कर्ष निकला है किअसिंचित दशा में गेहूं के लिए बुआई करते समय 87 किलो यूरिया और 175 किलो सिंगल सुपर फास्फोरस प्रति हेक्टेयर की दर से भूमि में सीडड्रिल या देशी हल द्वारा कूड़ों में 10 सेमी गहरा डालें। असिंचित खेती में गेहूं की खेती के लिए कम से कम तीन साल में एक बार कम्पोस्ट या गोबर खाद 50-60 गाड़ी प्रति हेक्टेयर बुआई के 10 से 15 दिन पहले खेत में डालकर मिट्टी में मिला देना चाहिए। खाद अच्छी प्रकार सड़ी हुई होना चाहिए। इससे भूमि के कणों की संरचना सुधर जाती है, जीवाणुओं का कार्य अच्छी तरह होता है। तथा खेत में नमी रोक रखने की शक्ति भी बढ़ जाती है। 3 प्रतिशत यूरिया का घोल बनाकर पत्तियों पर छिड़का जाय तो उससे गेहूं की पैदावार काफी बढ़ जाती है। यूरिया का पत्तियों पर छिड़काव बुआई के 45-50 दिन बाद शुरू करना चाहिए। और 15 से 20 दिन के अंतर पर 2 से 3 छिड़काव करना चााहिए। (3 किलोग्राम यूरिया को 100 लीटर पानी में घोलने से 3 प्रतिशत यूरिया का घोल बन जाता है।

सूरजमुखी

की खास तकनीक

सूरजमुखी एक शीघ्र पकने वाली (लगभग 90 से 110 दिन) तिलहन फसल है। जिसके बीजों में 45 प्रतिशत तक तेल होता है। इसकी खली एक उत्तम पशु आहार है, जिसका व्यापारिक महत्व है।

सूरजमुखी की फसल तापमान एवं प्रदीप्तिकाल के प्रति अत्यंत कम संवेदनशील होने के कारण इसे वर्ष भर किसी भी समय लगाकर उत्पादन ले सकते हैं। सूरजमुखी एक शीघ्र पकने वाली (लगभग 90 से 110 दिन) तिलहन फसल है। जिसके बीजों में 45 प्रतिशत तक तेल होता है। इसकी खली एक उत्तम पशु आहार है, जिसका व्यापारिक महत्व है। सूरजमुखी की उत्पादन लागत कम होने से लघु एवं सीमांत कृषकों के अपनाने योग्य है। सूखा के प्रति सहनशील एवं कम अवधि की फसल होने के कारण यह फसल चक्र में आसानी से शामिल हो सकती है। हमारे देश में तिलहनों की औसत उत्पादकता (6.35 क्विं./हेक्टर) विश्व में तिलहन फसलों की उत्पादकता (16.32 क्विं./हेक्टर) की तुलना में बहुत कम है। अत: सूरजमुखी जैसी तुलनात्मक नयी तिलहनी फसल में रबी जायद के मौसम में उन्नत कास्त विधियों को अपनाकर प्रति इकाई क्षेत्र में अधिक से अधिक उपज प्राप्त कर सकते हैं।

भूमि का चुनाव एवं खेत की तैयारी

भारी (कन्हार) से लेकर हल्की भूमियों में सूरजमुखी की खेती की जा सकती है। परंतु अच्छी उपज के लिये डोरसा, मटासी या कन्हार भूमियां जिनका जल निकास अच्छा हो, उत्तम होती है। खेत की तैयारी के लिये उचित आल पर (बतर अवस्था) एक बार मिट्टी पलटने वाले हल से जोतकर हैरो या देशी हल से दो–तीन जुताई कर पाटा लगाकर खेत को तैयार कर लेना चाहिये। भूमि में उचित आल न होने पर पलेवा देकर खेत की तैयारी करना लाभदायक रहता हैं। गोबर खाद, नाडेप खाद या कम्पोस्ट खाद की 5–10 टन प्रति हेक्टेयर मात्रा अंतिम जुताई के पूर्व खेत में बिखेर कर अच्छी तरह मिला देना चाहिए।

उन्नत किस्में– ज्वालामुखी (संकर), एम.एस.एच.एफ.–17, एम.एस.एच.एफ.–8, के.बी.एस.एच.–44, के.बी.एस.एच.–1, मार्डन (कम्पोजिट)

बीज की मात्रा, बीजोपचार एवं बुआई की विधि

सूरजमुखी के संकर किस्मों का 5–6 किलो बीज प्रति हेक्टर उपयोग करें। सामान्य मध्यम भूमियों में कतार से कतार की दूरी 40–45 से.मी. और पौधों से पौधों की दूरी 15–20 से.मी. रखना चाहिए जबकि संकर किस्मों में कतार से कतार की दूरी 50 से 60 से.मी. तक रख सकते हैं। बीजों को मिट्टी में 3–4 से.मी. की गहराई पर बोना चाहिए। अंकुरण के 15–20 दिनों पर विरलीकरण कर पौध अंतरण यथा संभव व्यवस्थित कर देना चाहिए। सूरजमुखी फसल के अच्छे उत्पादन के लिये प्रति हेक्टर औसतन एक से सवा लाख पौधे पर्याप्त होते हैं। बुआई पूर्व थीरम दवा की 3 ग्राम मात्रा से प्रति किलो बीजों का उपचार करना चाहिए। बीजों के शीघ्र अंकुरण के लिए बुआई पूर्व बीजों को 10–12 घंटे पानी में भिगोने के बाद 3–4 घंटे बीजों को छाया में सुखाकर उनका बीजोपचार कर बुआई करने से शीघ्र एवं समान अंकुरण प्राप्त होता है।

उर्वरक मात्रा एवं उपयोग

सूरजमुखी की पूर्ण सिंचित फसल में 80 किलो नत्रजन (175 किलो यूरिया), 60 किलो स्फुर (375 किलो सिंगल सुपर फास्फेट) और 60 किलो पोटाश (100 किलो म्यूरेट ऑफ पोटाश) प्रति हेक्टर देना चाहिए। खरपतवार नियंत्रण– सूरजमुखी के अंकुरण के साथ खेत में उगने वाले खरपतवारों के नियंत्रण के लिए एलाक्लोर खरपतवारनाशी की 4 लीटर मात्रा या पैन्डीमिथालीन की 3 लीटर मात्रा 500–600 लीटर पानी में घोलकर बुआई के 3 दिनों के भीतर नम भूमि पर छिड़काव करना चाहिए। इसके पश्चात आवश्यकतानुसार 25–30 दिनों पर एक निंदाई करना चाहिए। सूरजमुखी में पौधों को गिरने से बचाने के लिए प्रथम सिंचाई के बाद एवं द्वितीय सिंचाई के पूर्व पौधों के तने के पास 10–15 से.मी. ऊंची मिट्टी चढ़ाना चाहिए। यह कार्य बुआई के 40–50 दिनों पर कर लेना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

नाबालिग से रेप और गैंगरेप के दो मामलों में तीन आरोपी गिरफ्तार

चमकता राजस्थान। चूरू!(का.सं)15 दिसम्बर। बीदासर थाना इलाके में दो नाबालिक बालिकाओं के साथ रेप और गैंगरेप के दो अलग-अलग मामलों में थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर मात्र 12 घंटे के अंदर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। शुक्रवार को तीनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में भिजवाया गया। एसपी प्रवीण नायक नूनावत ने बताया कि 13 दिसंबर को थाना बीदासर में दो अलग-अलग नाबालिग बालिकाओं के साथ रेप और गैंगरेप की घटना के संबंध में प्रकरण दर्ज हुआ। मामले की गंभीरता को देख आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार व सीओ प्रहलाद राय के सुपरविजन एवं एसएचओ जगदीश सिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई।गठित टीम द्वारा नाबालिक से गैंगरेप के मामले में आईपीसी, पोक्सो एक्ट एवं 3 एससी एसटी एक्ट के तहत दर्ज प्रकरण में आरोपी दलीप सिंह पुत्र सुल्तान सिंह (35) एवं नरेंद्र खींचड़ पुत्र रामनिवास (27) निवासी सारंगसर तथा नाबालिग से रेप के मामले में दर्ज अन्य प्रकरण में आरोपी राजूराम मेघवाल पुत्र सुखाराम (20) निवासी गढ़वालों की ढाणी बीदासर को प्रकरण दर्ज होने के 12 घंटे के अंदर गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया।

नव निर्वाचित बार एसोसिएशन अध्यक्ष एडवोकेट विष्णु शर्मा का एफएमबीसी कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

चमकता राजस्थान। पावटा- (ललित शर्मा) एफएमबीसी के वरिष्ठ सदस्य एडवोकेट विष्णु शर्मा को बार एसोसिएशन का अध्यक्ष बनाये जाने पर एफएमबीसी कार्यकर्ताओं द्वारा कस्बे के मोदी मन्दिर में स्वागत सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में एडवोकेट विष्णु शर्मा का माला व साफा पहनाकर स्वागत करते नवीन दायित्व की बधाई दी। इस अवसर पर एडवोकेट विष्णु शर्मा ने कहा कि एफएमबीसी मेरा परिवार है और आज अपने परिवार से सम्मानित होते हुए बहुत अच्छा महसूस हो रहा है। इस अवसर पर जगदीश जोशी, अनिल जो्शी,परमानन्द शर्मा, गोपाल टीलावत, मुकुन्द माधव कौशिक, चेतन शर्मा, संजय सैन,मनीष सैन, अनिल सैन, नरेन्द्र बंसल, अन्नू लाटा, महेन्द्र यादव, हर्ष शर्मा आशु शर्मा सहित बडी संख्या में एफएमबीसी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भारत संकल्प यात्रा आयोजन को लेकर पंचायतवार कार्यक्रम हुआ तय

चमकता राजस्थान। पावटा (ललित शर्मा)राज्य सरकार के आदेशानुसार चलाये जा रहे विकसित भारत संकल्प यात्रा के आयोजन को लेकर उपखण्ड अधिकारी बजरंग लाल स्वामी ने आदेश जारी करते हुए पंचायतवार कार्यक्रम निर्धारित किया। उपखण्ड अधिकारी ने कार्यक्रम निर्धारित करते हुए बताया कि प्रोग्रामानुसार ग्राम पंचायत मुख्यालय पर ग्राम सभा का आयोजन किया जायेगा। जिसमें ग्राम पंचायत में वैन के आगमन पर स्वागत किया जाकर प्रधानमंत्री का रिकार्ड किया गया संदेश विकसित भारत का संदेश सुनाया जायेगा। मेरी कहानी मेरी जुबानी योजना के सफल लाभार्थी अपने सुझाव साझा करेंगे, सतत कृषि गतिविधियों पर रात्रि में ड्रोन प्रदर्शन, प्राकृतिक खेती, मृदा स्वास्थ्य कार्ड पर प्रगतिशील किसानों से बातचीत, सांस्कृतिक कार्यक्रम धरती कहे पुकार के, स्वच्छता गीत का आयोजन, ग्राम पंचायत की उपलब्धियों का जश्न, भूमि रिकॉर्ड का 100 प्रतिशत डिजीटलीकरण ओडीएफ प्लस स्थित, जल जीवन मिशन की संतृप्ति आदि पर प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम, पीएम उज्वला तथा नामांकन और बायोमैट्रिक प्रमाणिकरण, मेरा भारत स्वयंसेवक नामांकन होगा। जिसमें 30 दिसम्बर को ग्राम पंचायत पुरुषोत्तमपुरा, 1 जनवरी सुदरपुरा व दांतिल,2 जनवरी द्वारिकपुरा व टोरडा गुजरान, 3 जनवरी बुचारा व फतेहपुरा खुर्द, 4 जनवरी टसकोला, 5 जनवरी पण्डितपुरा व भूरी भडाज, 6 जनवरी सुजातनगर व भैसलाना, 8 जनवरी पाथरेडी व लाडाकाबास, 9 जनवरी खेलना व तुलसीपुरा, 10 जनवरी ठिकरिया व बडनगर, 11 जनवरी वीरतेजाजी नगर व पाछुडाला, 12 जनवरी कारोली व प्रेमनगर, 16 जनवरी करोडी व राजनौता, 18 जनवरी मंढा व भांकरी 19 जनवरी चौबाला व जोधपुरा पंचायत में कार्यक्रम निर्धारित किया गया है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा

सभी विभाग विकसित भारत संकल्प यात्रा में सक्रियता से भागीदारी निभायें: जिला कलक्टर

चमकता राजस्थान

भरतपुर,(राजवीर सिंह) जिला कलक्टर लोक बंधु ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा में सभी अधिकारी सक्रियता से भागीदारी निभाते हुए ग्राम पंचायत एवं वार्ड में आयोजित होने वाले शिविरों में योजनाओं की जानकारी देकर अभियान की मंशानुरूप पात्रजनों को लाभान्वित भी करें।

जिला कलक्टर शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में विकसित भारत संकल्प यात्रा की तैयारियों की समीक्षा करते हुए उपस्थित अधिकारियों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 16 दिसम्बर को जिला स्तर पर यूआ-ईटी ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों की उपस्थिति में माननीय प्रधानमंत्री का लाइव कार्यक्रम होगा। इसके बाद ग्रामीण क्षेत्रों में भेजे जाने वाले विकसित भारत संकल्प यात्रा के वाहनों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया जायेगा। उन्होंने कहा कि 26 जनवरी तक आयोजित होने वाले इस अभियान में सभी विभाग योजनाओं की जानकारी के लिए फ्लैक्स, बैनर बनवाकर प्रदर्शित करें जिससे पात्र व्यक्तियों को जानकारी मिल सके। उन्होंने केन्द्र सरकार द्वारा चिन्हित की गयी सभी योजनाओं की प्रचार-प्रसार सामग्री का वितरण भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।जिला कलक्टर ने कहा कि यात्रा के दौरान आयोजित होने वाले शिविरों में योजनाओं के लाभार्थियों को एवं जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाना सुनिश्चित करें। योजनाओं के लाभार्थी शिविर में योजना के लाभ से जीवन में आये परिवर्तन को बतायेंगे जिससे अन्य नागरिक भी प्रेरित होकर योजना का लाभ ले सकें। उन्होंने कहा कि मेरी कहानी-मेरी जुबानी में चिन्हित लाभान्वितों की सफलता की कहानी पोर्टल पर अपलोड भी की जायें। उन्होंने यात्रा के दौरान आयोजित शिविरों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ ही योजनाओं की जानकारी स्थानीय भाषा में एवं नुक्कड नाटकों के माध्यम से देने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों एवं वार्डों में आयोजित होने वाले शिविरों में जिन योजनाओं में पात्रता के आधार पर लाभान्वित किया जाना है उन्हें चिन्हित कर लाभ दिया जाना सुनिश्चित करें।

उन्होंने सभी अधिकारियों को प्रति सप्ताह अभियान की प्रगति की समीक्षा करने, नियमित मॉनिटरिंग करने एवं अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी बढ़ाने के निर्देश दिये। अभियान के नोडल अधिकारी एवं सीईओ जिला परिषद दाताराम ने विभागवार योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में शिविर के बाद उपलब्धियों को पोर्टल पर अपलोड किया जायेगा इसके लिए उपखण्डवार नोडल अधिकारी नियुक्त किये गये हैं।

नगर निगम आयुक्त बीना महावर ने बताया कि शहरी क्षेत्रों में 18 दिसम्बर से विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत रथ संचालित किये जायेंगे जिनमें विभागीय योजनाओं की जानकारी दी जायेगी। एलईडी के माध्यम से माननीय प्रधानमंत्री जी के संदेश एवं लाभान्वितों की कहानी भी बतायी जायेगी। इस अवसर पर अतिरिक्त कलक्टर प्रशासन रतन कुमार, अतिरिक्त कलक्टर शहर श्वेता यादव, सचिव यूआईटी कमलराम मीणा सहित सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

भागवत कथा में बताया के शरीर पत्नि पुत्र सब मिथ्या है: आचार्य गोविन्द

धौलपुर

चमकता राजस्थान। धौलपुर (रामदास तरुण) धौलपुर के बाड़ी उपखंड में चल रही मोहन भैया के बाडे में भागवत कथा में बुधवार को द्वितीय स्कंध प्रारंभ हुआ! जिसमें वचन करते हुए आचार्य गोविंद सिंह मीणा ने कहा कि परीक्षित ! तुम्हारा लोकहित के लिये किया हुआ! प्रश्न बहुत ही उत्तम है। मनुष्यों के लिये जितने भी बातें सुनने, स्मरण करने या कीर्त्तन करने की हैं, उन सबमें यह श्रेष्ठ है। आत्मज्ञानी महापुरुष ऐसे प्रश्नका बड़ा आदर करते हैं। जो गृहस्थ घर के काम-धन्धों में उलझे हुए हैं, अपने स्वरूप को नहीं जानते, उनके लिये हजारों बातें कहने- सुनने एवं सोचने, की रहती हैं। उनकी सारी उम्र यों ही बीत जाती है। उनकी रात नींद या स्त्री-प्रसङ्ग से कटती है और दिन धन की हाय-हाय या कुटुम्बियों के भरण-पोषण में समाप्त हो जाती है। संसार में जिन्हें अपना अत्यन्त घनिष्ठ सम्बन्धी कहा जाता है, वे शरीर, पुत्र, स्त्री आदि कुछ नहीं हैं, असत्य हैं; परंतु जीत्र उनके मोह में ऐसा पागल-हो जाता है कि रात-दिन उनको मृत्यु का ग्रास होते देख- कर भी चेतता नहीं है।इसलिये जो अभय पद को प्राप्त करना चाहता है, उसे तो सर्वात्मा, सर्वशक्तिमान्‌ भगवान्‌ श्रीकृष्ण की ही लीलाओं का श्रवण, कीर्तन और स्मरण करना चाहिये। मनुष्य- जन्मका यही - इतना ही लाभ है कि चाहे जैसे हो-ज्ञानसे, भक्तिसे अथवा अपने धर्मकी निष्ठासे रक्षा करें। इस अवसर पर मेहताब कसाना राम गोपाल शर्मा रामजीलाल अध्यापक, वरिष्ठ पत्रकार एस.के.मंगल वरिष्ठ पत्रकार ,राजेंद्र अग्रवाल अध्यापक सत्य प्रकाश सारस्वत उमेश सिंघल सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

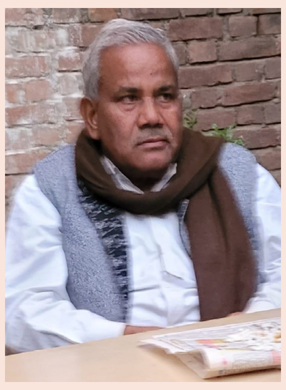

ब्रज नगर जाटव समाज विकास समिति द्वारा प्रो अरविन्द वर्मा का मनाया जन्म दिवस

चमकता राजस्थान। भरतपुर(राजवीर सिंह) ब्रज नगर जाटव समाज विकास समिति द्वारा आज अंबेडकर भवन पर एकत्रित होकर बहुजन समाज के चिंतक युवाओं के प्रेणया स्त्रोत प्रोफेसर डॉ अरविंद वर्मा का केक काटकर एवं माला साफा पहनाकर भव्य तरीके से स्वागत कर बड़ी धूमधाम से बड़े हर्षोल्लास के साथ जन्मदिन मनाया। रा शि संघ अंबेडकर पूर्व जिला अध्यक्ष मुकेश कुमार पिप्पल द्वारा वर्मा जी के सामाजिक कार्यों पर प्रकाश डाला, वर्मा जी द्वारा समाज सेवा को सर्वोच्च सेवा के रूप मे मानने का संदेश दिया इस मौके पर समिति अध्यक्ष सतीश चंद एक्सन , ओमप्रकाश पप्पन,चरण सिंह, अजब सिंह, कोषाध्यक्ष मांगी लाल, मंगतू राम, दौजी राम, सुरेश चंद, बांके लाल, भूप सिंह, दुर्जन सिंह, रामदास, मानिक चंद, जितेंद्र कुमार, करन सिंह, मदन सिंह, विजय राम लश्करी सहित दर्जनों स्थानीय निवासी उपस्थित थे

महाविद्यालय मे पांच दिवसीय शिविर का हुआ समापन

चमकता राजस्थान। धौलपुर! (रामदासतरुण) बाड़ी कस्बे के बृजेश महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय बाड़ी में इएं की छात्राओं द्वारा (स्वढह) एवं समाज सेवा शिविर का समापन किया गया। इस समारोह का समापन समाज़सेवी मुस्ताक अहमद की अध्यक्षता में किया गया। महाविद्यालय मे आयोजित हो रहे पंच दिवसीय कैंप का संचालन प्राचार्य प्रतीक जैन एवं निदेशक महेश पाराशर की देखरेख में संपन्न हुआ। कैंप में रंगोली, मेहंदी, साफ-सफाई, खेलकूद, गीत संगीत, नृत्य, निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं ने पर बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया तथा पुरस्कार भी प्राप्त किये। इस अवसर पर महाविद्यालय स्टाफ की ओर से राजू शर्मा, कदीर खान, अनिल अवस्थी, जितेंद्र दीक्षित, प्रियंका पाराशर, निरमा मंगल, मोनू, विश्वास पाराशर, गौरव शर्मा एवं समस्त महाविद्यालय स्टाफ तथा छात्राध्यापिकाओं में अनुराधा ,अदिवा, आरजू शर्मा, अंकिता, पूजा, शिवानी आदि ने विशेष रूप से सहयोग प्रदान किया।

प्रदेश के नवनियुक्त मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का जन्मदिन हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया गया

चमकता राजस्थान

धौलपुर (रामदास तरुण) बाड़ी उपखण्ड में गौड़ सनाढय फाउंडेशन के जिला अध्यक्ष प्रमोद शर्मा के निज निवास पर राजस्थान के यशस्वी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया इस अवसर पर विप्र बंधुओ ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। इस मौके पर प्रमोद शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि 33 वर्ष बाद कोई ब्राह्मण राजस्थान का मुख्यमंत्री बनाया गया है इसके लिए बाड़ी ब्राह्मण समाज प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त करता है और निश्चित तौर पर नवनियुक्त मुख्यमंत्री के माध्यम से राजस्थान का चौमुखी विकास होगा ऐसा हम विश्वास करते हैं इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ नेता ऋषि कपरेला, राम सिंह पंडित, सुरेश शर्मा कुतकपुर, राजू शर्मा बदरेठा वाले, बाबूलाल कपरेला, विशंबर दयाल शर्मा, राजेश कनौआ, रामगोपाल शर्मा, लक्ष्मी नारायण शर्मा , बनबारी वैध, अनिल आरेला राजकुमार गोपाल शर्मा सहित बड़ी संख्या में विप्र बंधु मौजूद रहे।

25 लाख रुपए की ड्रग व 30 हजार के जाली नोट बरामद

चमकता राजस्थान

नागौर (का. सं.) 15 दिसम्बर। डीएसटी मेड़ता सिटी की सूचना पर थाना थांवला पुलिस ने नाकाबंदी में एक,20 कार में सवार चार तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से पांच-पांच सौ के 60 भारतीय जाली नोट के रूप में 30 हजार रुपए और 125 ग्राम स्मैक बरामद की है। जप्त ड्रग की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 25 लाख रुपए एसपी नारायण टोगस ने बताया कि पुलिस ने कार में सवार आरोपी रामनिवास विश्नोई पुत्र बंशीलाल (38) व बाबूलाल विश्नोई पुत्र शंकर लाल (31) निवासी चकढाणी थाना कुचेरा, राम रतन सैन पुत्र श्यामलाल (23) निवासी जारोदा थाना मेड़ता रोड और मोना मेघवाल पत्नी भूपेंद्र सिंह (24) निवासी नोखा चांदावता थाना गोटन हाल मेड़ता रोड को गिरफ्तार किया है।एसपी टोगस ने बताया कि डीएसटी की सूचना पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार व सीओ रामेश्वर सहारण के सुपरविजन एवं एसएचओ थाना थांवला विनोद मीणा व डीएसटी प्रभारी विजय सिंह के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा शुक्रवार को नाकाबंदी में अजमेर की तरफ से आ रही एक.20 कार को रोका गया। कार में एक महिला समेत चार व्यक्ति सवार थे। पूछताछ में संदिग्ध लगने पर तलाशी ली गई तो इनके पास 125 ग्राम स्मैक पाउडर और 500-500 रुपये की 60 भारतीय जाली मुद्रा बरामद की गई। चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर आईपीसी की सम्बंधित धाराओं व एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान कोतवाली पुलिस को सौंपा गया इस कार्रवाई में डीएसटी प्रभारी विजय सिंह व एसएचओ विनोद मीणा का विशेष योगदान रहा। टीम में इनके साथ कांस्टेबल सोहन राम, लक्ष्मण राम, राम अवतार, महिला कांस्टेबल गल्लो और कांस्टेबल चालक अशोक नारायण शामिल थे।

● कार सवार महिला समेत चार तस्करों से 125 ग्राम स्मैक व 500 के 60 जाली नोट बरामद

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929